संस्थापक : स्व . श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शनिवार
14 नवंबर, 2026
वर्ष:25 अंक: 141
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

समरसता संकल्प यात्रा का चौथा चरण 18 नवंबर से, हरियाणा के आठ जिलों से गुजरेगी यात्रा : डॉ. अर्चना गुप्ता



पेज-7

मोटी-मोटी बातें

दादी के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अमृतपाल सिंह को मिली एक दिन की अंतरिम जमानत



अमृतसर: खडूर साहिब से सांसद और जेल में बंद अमृतपाल सिंह को अपनी दादी के अंतिम संस्कार और अन्य अंतिम रस्मों में शामिल होने के लिए एक दिन की अंतरिम जमानत दी गई है। उनकी दादी माता चरण कौर (84) का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था।

अमृतपाल सिंह की दादी के निधन के बाद परिवार ने उन्हें अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दिलाने के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। परिवार और उनकी कानूनी टीम की ओर से अमृतसर जिला एवं सत्र न्यायालय में याचिका दायर की गई थी।

याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने अमृतपाल सिंह को एक दिन की अंतरिम जमानत दे दी। इस दौरान वह अपनी दादी के अंतिम संस्कार और उनसे जुड़ी अंतिम रस्मों में शामिल हो सकेंगे। माता चरण कौर के निधन के बाद परिवार की ओर से उनकी अस्थायी रिहाई की मांग की गई थी, ताकि वह परिवार के इस दुखद अवसर पर मौजूद रह सकें।

राहुल गांधी के फोन टैपिंग के आरोप को भाजपा ने बताया बेबुनियाद, कांग्रेस ने बताया शर्मनाक

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर फोन टैपिंग कराने के आरोप को लेकर सत्ता और विपक्ष के नेताओं के बीच जुबानी जंग जारी है। भाजपा जहां राहुल गांधी के आरोपों को बेबुनियाद और साक्ष्यहीन बता रही है, वहीं कांग्रेस इसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बता रही है। केंद्रीय राज्य मंत्री बनवारी लाल वर्मा ने आईएएनएस से बात करते हुए राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी जिस तरह के आरोप आज लगा रहे हैं, वह ऐसे आरोप पहले भी लगाते रहे हैं। उनके पास कोई साक्ष्य नहीं होता है। उनके सारे आरोपों की हवा निकल जाती है। सदन चलता है तो उनमें डिबेट करने की हिम्मत नहीं पड़ती है। कहने और करने में बहुत अंतर होता है। जब तक राहुल गांधी के पास कोई साक्ष्य नहीं हो, तब तक उन्हें ऐसे खोखले आरोप नहीं लगाने चाहिए। देश की जनता सब देखती है और समय आने पर जवाब भी देती है।' बनवारी लाल वर्मा ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा, 'मैं सरकार और पीएम मोदी का आभारी हूं कि करोड़ों लोग गरीबी के दलदल से वापस आए हैं। मैं स्वयं किसान का बेटा हूं और अच्छी तरह से जानता हूं कि किसानों की स्थिति पहले कैसी होती थी। आज किसान कितना संपन्न है और कितनी मजबूत स्थिति के साथ काम कर रहा है।'

ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन पर उन्होंने कहा, 'सभी का स्वागत है। चुनाव में कोई भी पार्टी लड़ सकती है, कोई भी गठबंधन लड़ सकता है लेकिन 2027 के चुनाव में भाजपा का किसी से कोई मुकाबला नहीं है। भाजपा बहुत आगे है। भाजपा की न कोई बी टीम है और न ही सी टीम है। भाजपा अपने सहयोगी दलों को साथ लेकर एक बार फिर प्रचंड बहुमत की सरकार बनाएगी।'

ईरान में फंसे भारतीय नाविक अक्षय हरीश की जल्द होगी वतन वापसी: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। नई दिल्ली में एक साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में एमईए प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा और उनका कल्याण हमारे लिए बेहद अहम है। हमने पहले भी इस बात को स्पष्ट किया है। ईरान के तेहरान स्थित भारतीय दूतावास और बंदर अब्बास में मौजूद हमारी टीम लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय दूतावास ने नाविक अक्षय हरीश से संपर्क किया है। अक्षय ने 9 नवंबर को भारतीय वाणिज्य दूतावास से संपर्क किया था, यानी करीब तीन-चार दिन पहले। अक्षय के साथ भारतीय अधिकारी की बातचीत में पता चला कि उन्होंने साल 2025 में जापान में 'प्लाम मरीन' नाम के एक व्यापारिक जहाज पर काम शुरू किया था। जब यह जहाज ईरान के चाबहार बंदरगाह पहुंचा तो जहाज के कप्तान ने उन्हें बताया कि उनका पासपोर्ट और सीडीसी सर्टिफिकेट (यानी निरंतर सेवामुक्ति प्रमाणपत्र) खो गया है। यह सर्टिफिकेट नाविकों और समुद्री जहाजों पर काम करने वाले कर्मचारियों के पास होता है। दस्तावेज खोने की वजह से अक्षय को जहाज से उतार दिया गया।



भारत और इटली 2027 में एआई, स्वच्छ ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी पर शुरू करेंगे संयुक्त शोध कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारत और इटली के बीच विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा। दोनों देश संयुक्त अनुसंधान और नवाचार से जुड़ी पहलों को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह सहमति केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और इटली की विश्वविद्यालय एवं अनुसंधान मंत्री अन्ना मारिया बर्निनी के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के दौरान बनी। बैठक में भारत-इटली रणनीतिक साझेदारी को व्यावहारिक वैज्ञानिक सहयोग में बदलने, संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करने और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में संयुक्त शोध के नए अवसर तलाशने पर चर्चा हुई। दोनों देश आपसी समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत 2027 में एक नए संयुक्त शोध कार्यक्रम की शुरुआत करने की तैयारी कर रहे हैं, जिसके लिए कुछ प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की गई है। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग और बिग डेटा शामिल हैं। इसके अलावा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, हाइड्रोजन, नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव से जुड़े विषयों पर भी संयुक्त शोध किया जाएगा।

हिमाचल कैबिनेट के बड़े फैसले: महिलाओं को 1500 रुपये और 300 यूनिट मुफ्त बिजली



हिन्द जनपथ

शिमला (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में आज यहां आयोजित प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में राज्य में 'मुख्यमंत्री अपना परिवार सुखी परिवार योजना' शुरू करने का निर्णय लिया गया। योजना के अंतर्गत 18 से 59 वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त पात्र लाभार्थी परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली भी उपलब्ध करवाई जाएगी। इस योजना के तहत कुल 3.50 लाख पात्र महिलाओं की पहचान की गई है। प्रदेश सरकार ने 59 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को दी जाने वाली आर्थिक सहायता को 1,050 रुपये से बढ़ाकर 1,500 रुपये प्रतिमाह किया है।

बैठक में पड़ोसी राज्यों, सरकारी एजेंसियों और उद्योगों को सरप्लस रॉ वॉटर की बिक्री की दरें निर्धारित करने तथा समय-समय पर संशोधित करने के लिए एक समान राज्य नीति अपनाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत प्रदेश की सभी मौजूदा और भविष्य की परियोजनाओं, जिनमें अंतरराज्यीय जल परियोजनाएं भी शामिल हैं, के लिए प्रारंभिक दर 100 रुपये प्रति 1,000 क्यूबिक फीट निर्धारित की गई है। दरों में थोक मूल्य सूचकांक से जुड़ी निर्धारित व्यवस्था के अनुसार समय-समय पर संशोधन किया जाएगा।

मंत्रिमंडल ने प्रदेश के सभी 12 जिलों में 'खेलो हिमाचल चिट्ठा मुक्त अभियान-2026' शुरू करने को स्वीकृति प्रदान की। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ना तथा स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन और सकारात्मक सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देकर नशे की रोकथाम के प्रयासों को मजबूत करना है।

बैठक में स्वर्ण जयंती ऊर्जा नीति, 2021 में संशोधनों को मंजूरी प्रदान की गई। इसके तहत केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा संचालित परियोजनाओं के 40 वर्ष पूरे होने के बाद अगले 10 वर्षों तक 50 प्रतिशत मुफ्त बिजली रॉयल्टी का प्रावधान किया गया है। परियोजनाओं के संचालन की तिथि से 50 वर्ष पूरे होने के उपरांत इन्हें राज्य सरकार को निःशुल्क हस्तांतरित किया जाएगा।

बैठक में लंबे समय से परियोजनाओं का कार्यान्वयन न होने के कारण 222 सौर ऊर्जा परियोजनाओं का आवंटन रद्द करने को मंजूरी दी गई।

इसके अतिरिक्त नीति के प्रावधानों का अनुपालन न करने के कारण 25 मेगावाट से अधिक क्षमता वाली 13 जल विद्युत परियोजनाओं का आवंटन रद्द करने तथा 20 परियोजनाओं की पुनः निविदा प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमंडल ने राजीव गांधी स्वरोजगार स्टार्ट-अप योजना, 2023 के तहत इन्ट्रा सब-डिविजन रूट्स पर यात्री बसें चलाने के लिए डीजल बसों की खरीद पर सब्सिडी 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत करने को मंजूरी प्रदान की।

बैठक में हमीरपुर बस स्टैंड से डॉ. राधाकृष्णन चिकित्सा महाविद्यालय, जोलसप्पड़ तथा आईजीएमसी शिमला की नई ओपीडी से अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटी, चमियाणा मार्गों पर बसें चलाने के लिए 10 से अधिक सीटों वाली इलेक्ट्रिक बसों की खरीद पर 50 प्रतिशत तथा डीजल बसों की खरीद पर 40 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान करने का निर्णय लिया गया। ..MORE ON PG 2

काजीरंगा के पास भीषण सड़क हादसा, मिनीबस और कंटेनर ट्रक की टक्कर में 23 की मौत; कई लोग घायल



काजीरंगा (असम): असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास शुक्रवार को एक मिनीबस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास एक मिनीबस और कंटेनर ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में 23 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना राष्ट्रीय राजमार्ग 715 पर कोहोरा रेंज में हाथीकुली चाय बागान के पास रंगाजान में हुई, जब एक यात्री वाहन ट्रक से टकरा गया। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने कहा, 'हम सभी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बस से शव निकाले जा रहे हैं, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना है।' पुलिस ने बताया कि बस में सवार लोगों की सही संख्या अभी तक ज्ञात नहीं है।

गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्ननील डेका ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमें प्रारंभिक सूचना मिली है कि इस हादसे में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। हम सभी घटनास्थल पर मौजूद हैं और बस से शवों को निकाला जा रहा है, इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।''

कंगना रणौत के खिलाफ FIR की मांग, सोनिया गांधी पर टिप्पणी को लेकर बढ़ा विवाद

चंडीगढ़- हिमाचल प्रदेश में मंडी से भाजपा सांसद कंगना रणौत की पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी पर की गई टिप्पणी को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कंगना के खिलाफ हिमाचल प्रदेश पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता ने उन पर सोशल मीडिया के जरिए सोनिया गांधी के बारे में कथित तौर पर अपमानजनक और भ्रामक टिप्पणियां करने का आरोप लगाया है।

पुलिस महानिदेशक (DGP) अशोक तिवारी को सौंपी गई शिकायत में कैप्टन अतुल शर्मा ने कंगना के खिलाफ प्राथमिकी (FIR) दर्ज करने की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कंगना की सोशल मीडिया पोस्ट नफरत को बढ़ावा देती हैं, संवैधानिक निष्ठा पर सवाल उठाती हैं और गलत जानकारी फैलाती हैं।

दरअसल, कंगना ने हाल ही में सोनिया गांधी की आत्मकथा (मेमॉयर) 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' (Belonging: A Journey of Love) को लेकर उन पर निशाना साधा था। उन्होंने सवाल उठाया था कि गांधी परिवार के



सदस्यों की हत्याओं के वर्षों बाद भी सोनिया गांधी को उन परिस्थितियों की जानकारी कैसे नहीं थी, जबकि वह परिवार में विवाह के बाद आई थीं। कंगना ने ये टिप्पणियां अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' की रिसर्च और निर्माण के दौरान मिले अनुभवों के संदर्भ में की थीं।

इस मामले में कांग्रेस ने भी भाजपा और कंगना रणौत पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता चौहान ने सवाल उठाया कि भाजपा ने वर्षों तक पार्टी की सेवा करने वाले अनुभवी नेताओं और समर्पित कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर मंडी जैसे महत्वपूर्ण संसदीय क्षेत्र से एक सेलिब्रिटी को उम्मीदवार क्यों बनाया।

उन्होंने कहा कि सांसद बनने के बाद से कंगना लगातार विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रही हैं। हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा के दौरान उनकी भूमिका को लेकर भी सवाल उठे थे। चौहान ने आरोप लगाया कि भाजपा ने हिमाचल प्रदेश के राजनीतिक हितों और जनता से जुड़े मुद्दों के बजाय प्रचार और लोकप्रियता को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति के जीवन और संघर्षों को समझे बिना उस पर टिप्पणी करना उचित नहीं है।

Microsoft यूजर्स की मुश्किलें बरकरार, लगातार दूसरे दिन ठप Outlook से लेकर 365 तक सेवाएं

नई दिल्ली: वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने शुक्रवार को कहा कि उसने एशिया प्रशांत क्षेत्र में प्रभावित बुनियादी ढांचे के कुछ हिस्सों में सेवाएं बहाल करने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं और सेवाओं को धीरे-धीरे सामान्य किया जा रहा है। बता दें कि वैश्विक स्तर पर लगभग 18 घंटों तक माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं बाधित रहीं। इस व्यवधान ने संयुक्त राज्य अमेरिका सहित कम से कम 74 देशों में व्यवसायों, स्कूलों, सरकारी एजेंसियों और एयरलाइन संचालन को बाधित किया।

धीरे-धीरे बहाल हो रहीं सेवाएं

एक्स पर शेयर किए गए एक अपडेट में माइक्रोसॉफ्ट 365 स्टेटस ने विभिन्न महाद्वीपों में चल रहे बहाली का डाटा दिया। माइक्रोसॉफ्ट 365 स्टेटस ने कहा, 'हम प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर सुधार देख रहे हैं, उत्तरी अमेरिका में व्यापक सुधार, यूरोप के अधिकांश हिस्सों में निरंतर सुधार और एशिया प्रशांत में उत्साहजनक सुधार के संकेत मिल रहे हैं।' सुनिश्चितता बहाल होने के बावजूद, कंपनी ने कहा कि अभी तक सभी के लिए पूर्ण स्थिरता नहीं आई है।

अपडेट में आगे कहा गया है, 'बचे हुए प्रभावित बुनियादी ढांचे में समस्या निवारण कार्य जारी रहने के कारण कुछ उपयोगकर्ताओं को अभी भी बीच-बीच में एक्सेस संबंधी समस्याओं या ईमेल डिलीवरी में देरी का सामना करना पड़ सकता है। हमारा ध्यान बहाल किए गए बुनियादी ढांचे को स्थिर करने, शेष प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को पूरा करने और कनेक्शन विधियों में सेवा की निरंतरता को सत्यापित करते हुए ईमेल की लंबित कतारों और बैकलॉग को कम करने पर केंद्रित है।"

लगातार दो दिन से ठप सेवाएं

वहीं, आउटलुक ईमेल सुविधा समेत माइक्रोसॉफ्ट 365 की सेवाएं लगातार दूसरे दिन भी बाधित रहीं। कंपनी के सेवा स्थिति पेज पर शुक्रवार शाम साढ़े चार बजे तक माइक्रोसॉफ्ट 365 के कारोबारी और बड़ी कंपनियों के ग्राहकों के साथ-साथ आम उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध सेवाओं में भी गिरावट की स्थिति दिखाई गई।

माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि ईमेल बॉक्स तक पहुंचने और ईमेल मिलने में हो रही देरी की समस्या में सुधार हो रहा है, लेकिन कुछ उपयोगकर्ताओं को अब भी रुक-रुककर परेशानी हो सकती है। कंपनी अब दूसरे क्षेत्रों में प्रभावित बुनियादी ढांचे को ठीक करने और लंबित ईमेल की संख्या कम करने पर ध्यान दे रही है। माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष (भारत एवं दक्षिण एशिया) पुनीत चंडोक ने पेशेवर मंच 'लिंक्डइन' पर एक पोस्ट में कहा, ''सेवा बाधित होने से हमारे कई ग्राहकों को हुई परेशानी के लिए हमें खेद है। हमारी वैश्विक टीम इस समस्या को जल्द से जल्द हल करने के लिए काम कर रही हैं।''

भारत का स्पेस मिशन मानवता के कल्याण के लिए समर्पित: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी



मैसूरु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक के मैसूरु में बने कॉसमॉस प्लेनेटेरियम का उद्घाटन किया और यहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि कुछ महीन पहले ही मैं विवेका स्मारक के उद्घाटन के लिए यहां आया था और अब कॉसमॉस प्लेनेटेरियम के उद्घाटन के लिए आप सभी के बीच में हूं। ये दोनों ही अवसर, भारत के संस्कार और हमारी संस्कृति के बारे में गहरा संदेश देते हैं। विवेका स्मारक हमें अपने भीतर झांकने और आध्यात्मिक ज्ञान की खोज करने की प्रेरणा देता है। वहीं कॉसमॉस में हमारी नजरें आकाश की तरफ बढ़ती हैं और इसके ब्रह्माण्ड के रहस्यों को समझने के लिए प्रेरित करती हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत में अध्यात्म और विज्ञान की परंपराएं हमेशा साथ-साथ आगे बढ़ी हैं। हमारे पूर्वज आकाश का बहुत बारीकी से अध्ययन किया करते थे। उन्होंने तारों और ग्रहों की गति को समझा, उन्होंने कैलेंडर बनाए। सूर्य और चंद्र ग्रहण की गणना की। भारत में आर्यभट, वराहमिहिर, भास्कराचार्य और नीलकंठ सोमयाजी जैसे अनेक महान एस्ट्रोनॉमर हुए। आज जैसी एडवांस टेक्नोलॉजी और इंस्ट्रूमेंट्स उस समय नहीं थे, इसके बावजूद उन्होंने बड़ी-बड़ी खोजें कीं, मुश्किल से मुश्किल कैलकुलेशन किए। उन्होंने कहा कि मैसूरु में ऐसी संस्थाओं के निर्माण की परम्परा रही है। महाराजा नारुडी कृष्णा वाडियार के समय ही मैसूरु यूनिवर्सिटी की स्थापना हुई थी।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पंजाब भर के 24 लाख से अधिक घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़े तोहफे का ऐलान

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़े तोहफे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 31 मार्च 2026 तक के बकाया बिजली बिलों पर जुर्माने और ब्याज में 100 प्रतिशत माफी के लिए एकमुश्त निपटान योजना (ओ.टी.एस.) का ऐलान किया। इस योजना से 24.86 लाख उपभोक्ताओं को फायदा होगा, जिनके 518 करोड़ रुपये के जुर्माने और ब्याज माफ होंगे। इससे उपभोक्ता आसान किस्तों के जरिए अपने बकाये का भुगतान कर सकेंगे। यहां तक कि कटे हुए बिजली कनेक्शन भी मूल राशि के भुगतान के बाद बहाल कर दिए जाएंगे, जिससे पंजाब भर के परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, 'यह पंजाब में घरेलू बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत है। आज हमने बिजली के बकाया बिलों के लिए एकमुश्त निपटान योजना (ओ.टी.एस.) का ऐलान किया है। 31 मार्च 2026 तक के बकाया बिलों पर जुर्माना और ब्याज पूरी तरह माफ होगा। उपभोक्ताओं को एक साल में मूल राशि का 25 प्रतिशत पहले और 75 प्रतिशत बाद में किस्तों में जमा करवाना होगा। इस फैसले से 24 लाख से



अधिक उपभोक्ताओं को सीधा फायदा मिलेगा और उनके 518 करोड़ रुपये के जुर्माने और ब्याज माफ होंगे। कटे हुए बिजली कनेक्शन भी बहाल होंगे। हमारी सरकार सही मायनों में आम लोगों की सरकार है।'

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह पहल इस बात को सुनिश्चित करने की ओर एक और निर्णायक कदम है कि आर्थिक मुश्किलें आम परिवारों पर अतिरिक्त बोझ न बनें। उन्होंने कहा कि सरकार का मानना है कि शासन सिर्फ राजस्व एकत्र करना नहीं है, बल्कि मुश्किल समय में लोगों के साथ मजबूती से खड़ा होना है। उन्होंने कहा, 'कई परिवार आर्थिक तंगी के कारण अपने बिजली के बिल नहीं भर सके और जमा हुए ब्याज तथा जुर्मानों का बोझ लगातार बढ़ता गया। हमने उन्हें जुर्मानों और ब्याज के अतिरिक्त बोझ के बिना अपने बकाये भरने का नया मौका देने का फैसला किया है।'

मुख्यमंत्री ने बताया कि इस योजना से लगभग 2,516 करोड़ रुपये के बकाया बिजली बिलों वाले 24.86 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को फायदा होगा, जिसमें से 518 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा माफ किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ वित्तीय इमदाद नहीं, बल्कि आम घरों की जिंदगी को आसान बनाने की वचनबद्धता है। अब उपभोक्ताओं को सिर्फ बिलों की मूल राशि ही देनी होगी, जबकि लेट फीस सरचार्ज और ब्याज का सारा बोझ माफ कर दिया जाएगा।'

भुगतान विधि के बारे में समझाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि योग्य उपभोक्ताओं को अब केवल मूल राशि ही अदा करनी होगी, जिसमें से 25 प्रतिशत राशि तुरंत अदा करनी होगी और बाकी 75 प्रतिशत राशि साल के भीतर दो आसान किस्तों में अदा की जा सकती है। उन्होंने आगे कहा कि वित्तीय मुश्किलों का सामना कर रहे उपभोक्ता अपने भुगतान के लिए छह महीने का अतिरिक्त समय भी ले सकते हैं।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों से किए झूठे वादे, जनता को मिला नशा और बेरोजगारी: नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 1 नवंबर 1966 को हरियाणा पंजाब से अलग होकर एक नए राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था। उस समय अनेक लोगों के मन में यह चिंता थी कि सीमित संसाधनों के साथ हरियाणा किस प्रकार अपनी पहचान बना पाएगा, लेकिन आज 60 वर्षों के सफर में हरियाणा ने देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। हरियाणा ने अपनी हीरक जयंती के अवसर पर विकास, समृद्धि और जनकल्याण के नए संकल्प लिए हैं। हाल ही में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भी हीरक जयंती समारोह में भाग लेकर प्रदेश की गौरवशाली यात्रा को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को पंजाब, होशियारपुर के दसूहा में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि



आज देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले हर दसवें जवान का संबंध हरियाणा से है। खेलों के क्षेत्र में भी हरियाणा के खिलाड़ियों ने ओलंपिक, पैरालंपिक और एशियन गेम्स सहित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का नाम रोशन किया है। देश को पदक दिलाने में हरियाणा के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उद्योग और निवेश के क्षेत्र में भी हरियाणा एक प्रमुख गंतव्य बनकर उभरा है। दुनिया की कोई भी कंपनी भारत में निवेश करना चाहती है तो उसकी प्राथमिकताओं में हरियाणा शामिल रहता है।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने जनता से किए वादे पूरे नहीं किए

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव के समय इन पार्टियों द्वारा जनता से बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन वादों को पूरा करने के बजाय प्रचार और विज्ञापन पर अधिक ध्यान दिया जाता है। आज नशे की समस्या विकराल हो चुकी है। युवाओं को रोजगार देने के वादे भी पूरे नहीं हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की सरकारों के कार्यकाल में पंजाब के लोगों को जिन समस्याओं से जूझना पड़ा है, उनका जवाब इन पार्टियों को जनता को देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार ने जनता से किए गए 217 संकल्पों में से 74 संकल्प पूरे कर दिए हैं और शेष 143 संकल्पों पर तेजी से काम किया जा रहा है।

लद्दाख में प्रदर्शन से पहले सोनम वांगचुक ने लगाया नजरबंद किए जाने का आरोप

लेह- केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन पर लगी पाबंदियों के बीच जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने आरोप लगाया कि उन्हें घर में नजरबंद कर दिया गया है और लद्दाख स्थित उनके आवास के बाहर पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 25 जवान तैनात किए गए हैं।

लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के प्रमुख सदस्यों में शामिल वांगचुक ने कहा कि वह अपनी आवाजाही पर लगाई गई पाबंदियों को मजिस्ट्रेट, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय समेत उचित कानूनी मंचों पर चुनौती देंगे।

उन्होंने सवाल उठाया कि किसी व्यक्ति को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए बिना शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होने से कैसे रोका जा सकता है। वांगचुक ने बृहस्पतिवार देर रात सोशल मीडिया मंच 'एक्स' और फेसबुक समेत अपने अन्य खातों पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश में कहा कि बुधवार रात से ही उनके आवास के बाहर कई सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। वहां कई वाहन और तंबू भी लगाए गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि दिन भर उनके घर के चारों ओर हथियारबंद जवान तैनात थे, जिससे उनकी आवाजाही सीमित हो गई। वांगचुक ने अधिकारियों के इस कथित दावे का जिक्र किया कि उन्हें केवल ''घर पर रहने की सलाह'' दी गई है। उन्होंने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारी संख्या में सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का मतलब व्यावहारिक रूप से उन्हें घर में नजरबंद करना ही है। उन्होंने कहा कि लद्दाख से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर वह और एलएबी तथा कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के नेताओं समेत अन्य कार्यकर्ता धरने पर बैठने की तैयारी कर रहे थे। इसी कारण उन पर ये पाबंदियां लगाई गईं।

न्यूज डायरी

हिमाचल निकेतन को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी, लोगों की सुविधा के नाम पर बनी संपत्ति का व्यावसायीकरण कर रही कांग्रेस सरकार : राकेश जम्वाल

हिन्द जनपथ

शिमलाः भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता व सुंदरनगर से विधायक राकेश जम्वाल ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश की बहुमूल्य सरकारी संपत्तियों का संचालन लगातार निजी हाथों में सौंपने का सिलसिला जारी है। उन्होंने कहा कि भाजपा इन मुद्दों को लगातार मीडिया के माध्यम से और विधानसभा के भीतर उठाती रही है, लेकिन मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता को अपनी सरकार की वास्तविक मंशा स्पष्ट नहीं कर रहे हैं।



राकेश जम्वाल ने कहा कि दिल्ली के द्वारका में 107 कमरों वाला हिमाचल निकेतन बनकर तैयार हुआ। इसके उद्घाटन के समय मुख्यमंत्री ने इसे हिमाचल प्रदेश की जनता, विद्यार्थियों, मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए एक बड़ी सुविधा बताया था। लेकिन अब उसी हिमाचल निकेतन के संचालन, रखरखाव और प्रबंधन के लिए निजी एजेंसी के चयन की निविदा जारी कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हिमाचल निकेतन किसी कांग्रेस पार्टी की निजी संपत्ति नहीं है। यह हिमाचल प्रदेश की जनता की संपत्ति है। प्रदेशवासियों की सुविधा के लिए बनी इस इमारत के संचालन को निजी हाथों में देने की तैयारी आपकी कथनी और करनी के अंतर को उजागर करती है।' उन्होंने कहा कि समाचार रिपोर्टों के अनुसार हिमाचल निकेतन के लगभग 70 प्रतिशत हिस्से का प्रबंधन निजी एजेंसी को दिए जाने की बात सामने आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की इस प्रक्रिया से आम हिमाचलियों को मिलने वाली रियायती सुविधाओं और कमरों की उपलब्धता को लेकर गंभीर अनिश्चितता पैदा हुई है।

राकेश जम्वाल ने कहा कि भाजपा ने जब ऐतिहासिक पीटरहॉफ को लेकर पुनर्निर्माण और पीपीपी मॉडल की आशंकाएं उठाईं, तब मुख्यमंत्री ने ऐसा कोई निर्णय लिए जाने से इनकार किया। लेकिन सरकार की भविष्य की नीति को लेकर स्पष्टता का अभाव बना हुआ है।

प्रेस दिवस पर ज़िला स्तरीय कार्यक्रम चिल्ड्रन पार्क स्थित प्रेस रूम में

हिन्द जनपथ

सोलन - राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर 16 नवम्बर, 2026 को जिला स्तरीय कार्यक्रम सोलन के चिल्ड्रन पार्क स्थित प्रेस कक्ष में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी आज यहां एक विभागीय प्रवक्ता ने दी।

उन्होंने कहा कि भारतीय प्रेस परिषद ने इस वर्ष प्रेस दिवस पर 'पत्रकारिताः सनसनी या जिम्मेदारी' 'Journalism Populist or Responsible' विषय पर चर्चा करने का सुझाव दिया है। कार्यक्रम प्रातः 11.00 बजे आरम्भ होगा।

उन्होंने सभी पत्रकारों से आग्रह किया है कि उक्त कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

शिमला डेंटल कॉलेज को चमियाणा स्थानांतरित करने की योजना पर भाजपा ने जताई आपत्ति: कर्ण नंदा

शिमला। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश के प्रदेश मीडिया संयोजक कर्ण नंदा ने राजीव गांधी राजकीय दंत महाविद्यालय एवं अस्पताल (डेंटल कॉलेज), शिमला को चमियाणा स्थानांतरित करने की राज्य सरकार की प्रस्तावित योजना पर कड़ी आपत्ति जताई है। शुक्रवार को शिमला से जारी एक बयान में नंदा ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के नाम पर आम जनता की परेशानियां बढ़ाने वाले कदम उठा रही है।

बुनियादी ढांचे के लिए 18 करोड़ का स्वागत, लेकिन स्थानांतरण पर सवालः

कर्ण नंदा ने कहा कि दंत चिकित्सा के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा की गई अतिरिक्त 18 करोड़ रुपये की घोषणा स्वागतयोग्य है, लेकिन वर्षों से शिमला शहर में संचालित डेंटल कॉलेज को चमियाणा स्थानांतरित करने की संभावना तलाशना जनसुविधा के लिहाज से चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास के नाम पर मरीजों की सुविधा से अधिक भवनों और संस्थानों के स्थानांतरण को प्राथमिकता देती दिखाई दे रही है।

बुजुर्गों, मरीजों और विद्यार्थियों की बढ़ेंगी मुश्किलेंः

भाजपा मीडिया संयोजक ने उल्लेख किया कि पहले आईजीएमसी के सुपर स्पेशियलिटी विभागों को चमियाणा स्थानांतरित किया गया और अब डेंटल कॉलेज को भी वहां ले जाने पर विचार हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए शिमला आते हैं, जहां शहर में सार्वजनिक परिवहन की सुविधा अपेक्षाकृत सुलभ है। यदि डेंटल कॉलेज को शहर से दूर चमियाणा ले जाया जाता है, तो बुजुर्गों, दिव्यांगजनों, दूरदराज के मरीजों और तीमारदारों पर यात्रा का अतिरिक्त खर्च, समय और परिवहन संबंधी कठिनाइयों का बोझ बढ़ेगा।

चिट्टा तस्करों को नहीं छोड़ेंगे, युवाओं की सुरक्षा के लिए सरकार कृतसंकल्प: मुख्यमंत्री

नशा तस्करों की अवैध रूप से अर्जित 92 करोड़ रुपये की संपत्ति को किया गया सीज

भूपिन्दर चौहान

शिमला : मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को मंडी में आयोजित एंटी चिट्टा जागरूकता वॉकाथॉन का नेतृत्व किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश के लोगों, विशेषकर युवाओं से नशामुक्त हिमाचल अभियान की इस निर्णायक लड़ाई में बड़ चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।



यह वॉकाथॉन मंडी के पड्डल मैदान से शुरू होकर बस स्टैंड तथा सेरी मंच की ओर बढ़ी और वापस पड्डल मैदान में समाप्त हुई। वॉकाथॉन में पूरे जिले से बड़ी संख्या में छात्रों और आम लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों को एंटी चिट्टा शपथ दिलवाई और उन्हे सतर्क रहकर नशे के खिलाफ इस अभियान में योगदान देने का आह्वान किया।

पड्डल मैदान में जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नशे के कारोबार के खिलाफ निरन्तर सख्त कदम उठाना सुनिश्चित कर रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल सरकार और पुलिस की कार्रवाई से इस समस्या का पूरा समाधान नहीं हो सकता है इसके लिए समाज के हर वर्ग का सक्रिय सहयोग जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल में चिट्टा बेचने वालों और पैसे के लिए युवाओं का जीवन तबाह करने वालों के लिए समाज में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि अवैध नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सरकार की नीति बिल्कुल स्पष्ट और कड़ी है। चिट्टा बेचने वालों और ड्रग तस्करी में शामिल लोगों पर कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक सरकारी भूमि पर बनी 22 संपत्तियों को खाली करवाकर ध्वस्त किया गया है और अब तक नशा तस्करों द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई 92 करोड़ रुपये की संपत्ति को सीज किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस कानून के दायरे में रहकर चिट्टा नेटवर्क और नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कठोर कार्रवाई कर रही है। प्रदेश में नशामुक्त अभियान एक जन आन्दोलन का रूप ले चुका है।

समाज के सभी वर्गों से सामूहिक सहयोग का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लड़ाई में हर मां, हर पिता, हर शिक्षक, हर पंचायत, हर महिला मंडल, हर युवा मंडल और सबसे बढ़कर हिमाचल प्रदेश के युवाओं के सहयोग की जरूरत है। आज मैं यह जिम्मेदारी राज्य के युवाओं को सौंप रहा हूं।

उन्होंने आह्वान किया कि वह चिट्टे की बिक्री या नशे से जुड़ी अन्य गतिविधियों को देखकर चुप न रहें बल्कि आपातकालीन टोल फ्री नम्बर 112 के माध्यम से अधिकारियों के साथ विश्वसनीय जानकारी साझा करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नशा तस्करों के खिलाफ सटीक जानकारी देने वालों को पुरस्कृत करने का प्रावधान भी किया है।

हिमाचल प्रदेश के युवाओं की सुरक्षा की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि राज्य को चिट्टे के खतरे के सामने झुकने नहीं दिया जाएगा।

पेंशनर्स का छह दिवसीय धरना दूसरे दिन भी जारी, सरकार से वार्ता की मांग



शिमला। पेंशनर्स की लंबित मांगों को लेकर जिला शिमला पेंशनर्स संयुक्त संघर्ष समिति का छह दिवसीय धरना प्रदर्शन शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सीटीओ चौक स्थित जिलाधीश कार्यालय के बाहर सुबह 11 बजे सांकेतिक धरना दिया। जिला संयोजक मोहन ठाकुर की अध्यक्षता में हुए प्रदर्शन में शिमला शहरी इकाई के अध्यक्ष मदन शर्मा सहित 57 सदस्यों ने भाग लिया। समिति ने सरकार से पेंशनर्स के साथ बातचीत कर उनकी मांगों का समाधान निकालने की मांग उठाई।

स्वयंभू नेता के बयानों पर जताई नाराजगी

संयुक्त बयान में जिला संयोजक मोहन ठाकुर और प्रदेश समिति के अतिरिक्त महासचिव भूप राम वर्मा ने एक स्वयंभू नेता की ओर से पेंशनर्स को लेकर दिए जा रहे बयानों की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के बयान देकर पेंशनर्स को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। वर्मा ने कहा कि समिति के पदाधिकारियों को भाजपा और बीएमएस से जुड़ा बताना तथ्यहीन है।

समिति में सभी राजनीतिक विचारधाराओं के लोग शामिल हैं और पेंशनर्स का संगठन किसी राजनीतिक दल से जुड़ा नहीं है।

संगठन की मान्यता का मामला विचाराधीन

वर्मा ने आरोप लगाया कि छह जुलाई 2025 को हुए कथित चुनाव को समिति ने उप रजिस्ट्रार सहकारी सभाएं के समक्ष चुनौती दी थी। उन्होंने कहा कि संबंधित नेता की ओर से संगठन को मान्यता मिलने का दावा भी सही नहीं है, क्योंकि रजिस्ट्रार सहकारी सभाएं पंजीकरण का कार्य करता है, मान्यता देने का नहीं।

सयाजी होटल्स ने कुफरी में शुरू किया 'एनराइज बाय सयाजी', हिमाचल में पहला होटल

शिमलाः सयाजी होटल्स ने अपने बढ़ते होटल पोर्टफोलियो में एक नया नाम जोड़ते हुए हिमाचल प्रदेश में अपने पहले होटल 'एनराइज बाय सयाजी, कुफरी' की शुरुआत की है। शिमला के निकट फागू, ठियोग में स्थित यह माउंटेन रिट्रीट केसी विला के सहयोग से विकसित किया गया है। इसके साथ ही सयाजी होटल्स ने हिमाचल प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में प्रवेश किया है।



अवकाश बिताने आने वाले पर्यटकों और व्यावसायिक यात्रियों, दोनों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया यह होटल पहाड़ी पर्यटन स्थल की प्राकृतिक खूबसूरती के साथ आधुनिक सुविधाओं और विशेष आतिथ्य सेवाओं का अनुभव प्रदान करेगा।

होटल में पांच श्रेणियों के कुल 64 कमरे उपलब्ध हैं। इनमें डीलक्स और प्रीमियम माउंटेन व्यू रूम शामिल हैं। इसके अलावा निजी बाथटब वाले कमरे और जकूजी से सुसज्जित सुइट भी उपलब्ध हैं। कुछ चुनिंदा कमरों में बालकनी की सुविधा है, जहां से आसपास के पहाड़ों का खूबसूरत नजारा देखा जा सकता है।

होटल में खानपान के लिए तीन अलग-अलग आउटलेट तैयार किए गए हैं। मोमेंट, यहां का ऑल-डे डाइनिंग रेस्टोरेंट है, जहां विभिन्न प्रकार के व्यंजन परोसे जाएंगे। वहीं, कैफीन कॉफी और बातचीत के लिए आरामदायक माहौल उपलब्ध कराएगा। इसके अलावा 99 बार में नॉन-वेजिटेरियन व्यंजनों सहित मल्टी-क्यूजीन मेन्यू की सुविधा होगी।

मनोरंजन और आराम के लिए होटल में स्विमिंग पूल, फिटनेस सेंटर, रिक्रिएशन रूम, स्पा और वेलनेस सेंटर की व्यवस्था की गई है। कार्यक्रमों और आयोजनों के लिए तीन बैंक्वेट वेन्यू- सोलिटेयर, क्रिस्टल और ज्वेल उपलब्ध होंगे। इनमें कॉरपोरेट मीटिंग, कॉन्फ्रेंस, सामाजिक समारोह और अन्य विशेष आयोजनों का आयोजन किया जा सकेगा।

बंपर भर्तियों व अदरक-सेब के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी पर मुहर

हिन्द जनपथ

शिमलाः मंत्रिमंडल ने प्राकृतिक रूप से उगाए गए अदरक का न्यूनतम समर्थन मूल्य 30 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति किलोग्राम करने को स्वीकृति प्रदान की।

बैठक में प्रदेश के नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग में 1,000 रोगी मित्र नियुक्त (एंगेज) करने को स्वीकृति प्रदान की गई।

मंत्रिमंडल ने प्रदेश के विभिन्न सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों, डेंटल कॉलेजों तथा चिकित्सा शिक्षा निदेशालय में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने के उद्देश्य से जूनियर ऑफिस असिस्टेंट (आईटी) के 561 पदों को सृजित कर भरने को मंजूरी प्रदान की।

इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य विभाग में अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए डाटा एंट्री ऑपरेटर नियुक्त करने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिमंडल ने सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में आउटसोर्स आधार पर कार्यरत परफ्यूजनिस्ट के मासिक मानदेय को 25,000 रुपये से बढ़ाकर 45,000 रुपये करने का निर्णय लिया।

इंदिरा गांधी राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, शिमला, डॉ. राजेंद्र प्रसाद राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, टांडा तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, नेरचौक मंडी में डिपार्टमेंट जेरियाट्रिक मेडिसिन स्थापित करने तथा इसके लिए आवश्यक पदों एवं सीनियर रेजिडेंट के पदों को सृजित कर भरने का निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल ने कांगड़ा जिले के सिविल अस्पताल नूरपुर में मदर एंड चाइल्ड हॉस्पिटल विंग के सुचारू संचालन के लिए विभिन्न श्रेणियों के आवश्यक पदों को सृजित कर भरने की स्वीकृति प्रदान की। बैठक में डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, हमीरपुर में विभिन्न विभागों में असिस्टेंट प्रोफेसर के आठ तथा एसोसिएट प्रोफेसर का एक पद सृजित कर भरने का निर्णय लिया गया। मंत्रिमंडल ने हिमाचल प्रदेश पुलिस विभाग (कांस्टेबल भर्ती) नियम, 2024 के नियम-11 में एकमुश्त छूट प्रदान करते हुए कांस्टेबल भर्ती की लिखित परीक्षा ऑनलाइन के स्थान पर ऑफलाइन माध्यम से आयोजित करने की मंजूरी प्रदान की।

राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला के शताब्दी समारोह का भव्य शुभारंभ

धर्मशालाः राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धर्मशाला के गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन धर्मशाला द्वारा आयोजित चार दिवसीय शताब्दी समारोह का आज भव्य शुभारंभ हुआ। 13 से 16 नवम्बर तक आयोजित किए जा रहे इस समारोह का शुभारंभ नगरोटा बगवां के विधायक एवं हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष आरएस बाली ने किया। मुख्य वन संरक्षक वासु कौशल ने समारोह में विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की। उल्लेखनीय है कि वासु कौशल भी इसी महाविद्यालय की पूर्व छात्रा रही हैं।



इस अवसर पर आरएस बाली ने महाविद्यालय के गौरवशाली शताब्दी वर्ष के अवसर पर ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन तथा समस्त पूर्व विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला प्रदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। इस संस्थान से शिक्षा ग्रहण कर निकले विद्यार्थियों ने प्रदेश, देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा, मेहनत और उत्कृष्ट सेवाओं से महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान, चिकित्सा, शिक्षा, प्रशासन और सैन्य सेवाओं सहित अनेक क्षेत्रों में महाविद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों का योगदान अत्यंत सराहनीय रहा है। किसी भी शिक्षण संस्थान की वास्तविक पहचान केवल उसकी शैक्षणिक उपलब्धियों से ही नहीं, बल्कि वहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सफलता और समाज के प्रति उनके योगदान से भी बनती है। उन्होंने कहा कि पूर्व विद्यार्थियों की उपलब्धियां वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

आरएस बाली ने वर्ष 1990 में स्थापित ओल्ड स्टूडेंट एसोसिएशन धर्मशाला की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि एसोसिएशन ने पूर्व विद्यार्थियों को संस्थान से जोड़े रखने के साथ-साथ अकादमिक पुरस्कार समारोह, रक्तदान शिविर, वार्षिक सम्मेलन तथा विभिन्न सामाजिक एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से सराहनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि शताब्दी समारोह जैसे आयोजन संस्थान की गौरवशाली विरासत को संजोने, पुरानी स्मृतियों को जीवंत करने तथा पूर्व विद्यार्थियों के अनुभवों से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने समारोह में शामिल हुए 80 वर्ष से अधिक आयु के वयोवृद्ध पूर्व विद्यार्थियों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

चिट्टा तस्करी मामला: शिमला अदालत ने आरोपी को सुनाई 2 महीने की कठोर कारावास और जुर्माने की सजा

शिमला। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ शिमला पुलिस की सख्त कार्रवाई का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। अदालत ने करीब छह साल पुराने चिट्टा तस्करी के एक मामले में फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषी करार दिया है और उसे 2 महीने के कठोर कारावास तथा जुर्माने की सजा से दंडित किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस थाना न्यू शिमला में 6 फरवरी 2020 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत अभियोग संख्या 08/2020 दर्ज किया गया था। यह मामला आकाश भोपटा (27 वर्ष), निवासी रोहड़, जिला शिमला के खिलाफ दर्ज किया गया था, जिसके कब्जे से पुलिस ने तलाशी के दौरान 4 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया था। माननीय न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (JMFC-4), शिमला की अदालत ने 13 नवंबर 2026 को इस मामले की सुनवाई पूरी करते हुए आरोपी आकाश भोपटा को दोषी करार दिया। अदालत ने उसे 2 महीने के कठोर कारावास और 2,500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत के आदेशानुसार, यदि दोषी द्वारा जुर्माना राशि अदा नहीं की जाती है, तो उसे 30 दिन का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा। शिमला पुलिस ने इस मामले में वैज्ञानिक और प्रभावी ढंग से जांच करते हुए सभी आवश्यक साक्ष्य समय पर न्यायालय में प्रस्तुत किए। साथ ही, अदालत में मजबूत पैरवी सुनिश्चित की गई, जिसके परिणामस्वरूप आरोपी को सजा दिलाने में सफलता मिली।

शिक्षा, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व युवाओं के मार्गदर्शक सिद्धांत होने चाहिए: राज्यपाल

हिन्द जनपथ

शिमला : राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने कहा कि युवा पीढ़ी को शिक्षा, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्वों को मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में अपनाना चाहिए। राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए युवाओं को समाज और देश के विकास में सक्रिय योगदान देना चाहिए।



राज्यपाल ने वीरवार सायं शिमला के ऐतिहासिक गेयटी थियेटर में सुनील उपाध्याय की पुण्यतिथि के अवसर पर सुनील उपाध्याय एजुकेशनल ट्रस्ट, शिमला द्वारा आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि भाग लिया। 'शिक्षा, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक उत्तरदायित्व में युवाओं की भूमिका' विषय पर इस संगोष्ठी का आयोजन किया गया था।

राज्यपाल ने कहा कि यह कार्यक्रम उन विचारों, मूल्यों और आदर्शों को याद करने का अवसर है, जो युवाओं को राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। सुनील उपाध्याय के जीवन, संगठनात्मक योगदान और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पणभाव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनका जीवन संघर्ष, त्याग और प्रतिबद्धता की प्रेरणादायक गाथा है। उनका समर्पण इस बात का प्रमाण है कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति केवल उसकी विचारधारा में नहीं, बल्कि समर्पित लोगों के प्रयासों में निहित होती है। राज्यपाल ने सुनील उपाध्याय मेमोरियल ट्रस्ट को बधाई देते हुए कहा कि ट्रस्ट शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और युवा सशक्तिकरण के माध्यम से उनके विचारों एवं आदर्शों को आगे बढ़ाने का सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की बहुरंगी विविधता में हमारी सबसे बड़ी शक्ति निहित है। हमारी भाषाएं, पहनावा, खान-पान और परंपराएं भले ही अलग-अलग हों, लेकिन हमारी राष्ट्रीय पहचान, साझा सांस्कृतिक विरासत और संवैधानिक मूल्य हमें एक सूत्र में पिरोते हैं। ऐसे आयोजन युवाओं में विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय एकता की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

श्री गुप्ता ने कहा कि शिक्षा राष्ट्र निर्माण का आधार है। इसका उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना या रोजगार हासिल करना नहीं होना चाहिए, बल्कि इसके माध्यम से चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों, अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 कौशल विकास, बहुविषयक शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान जैसे व्यापक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है।

ठियोग-हाटकोटी मार्ग पर कार से 6 ग्राम चिट्टा बरामद, कोटखाई के तीन युवक गिरफ्तार

ठियोग। शिमला पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत उपमंडल ठियोग की डिटेक्शन सेल को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए ठियोग-हाटकोटी मार्ग पर एक कार से लगभग 6 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने कोटखाई क्षेत्र के रहने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, डिटेक्शन सेल ठियोग की टीम को नशे की तस्करी को लेकर पुख्ता गुप्त सूचना मिली थी। इसी के आधार पर टीम ने ठियोग-हाटकोटी मार्ग पर भुई, हुल्ली के समीप एक संदिग्ध कार को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार की अगली यात्री सीट के नीचे रखे एक पारदर्शी प्लास्टिक के पैकेट से करीब 6 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।



गिरफ्तार आरोपियों का विवरणः

इस मामले में पुलिस ने संलिप्त पाए गए निम्नलिखित तीन आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया हैः

गुलशन चौहान (पुत्र श्री जगदीश चौहान), उम्र 27 वर्ष, निवासी कोटखाई।

रितेश धांटा (पुत्र श्री रविंद्र धांटा), उम्र 36 वर्ष, निवासी कोटखाई।

उज्ज्वल (पुत्र श्री सुनील कुमार), उम्र 31 वर्ष, निवासी कोटखाई, जिला शिमला।

कानूनी कार्रवाई और आगे की जांचः इस संबंध में पुलिस थाना ठियोग में 13 नवंबर 2026 को एफआईआर संख्या 171/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 (मादक पदार्थों की तस्करी और आपराधिक षड्यंत्र/सांठगांठ) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

Short term E-Procurement Notice
INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer HP PWD Division Nalagarh Distt. Solan HP on behalf of Governor of HP invites the online bids on percentage rate, in electronic/ nic tendering system,in 2 cover system for the under mentioned work from the eligible and approved contractors.firms registered with HPPWD Department.

Job No	Name of Work	Estimated) Cost (In Rs.)	Earnest Money (In Rs.)	Time Allowed	Cos,of Form	Eligibility of Contractor
1	R/O rain damages on Gurukund Talli road km 0/0 to 8/00 (SH P/L B.C work in km 0/0 to 8/00).	13,96,609/-	27,940/-	Three Month	500/-	C&D
2	A/R &M/O on Silnupul to Tirla road in km 0/0 to 2/500 (SH P/L Patch work (B.C) in km 0/0 to 2/500).	9,27,784/-	18,600/-	Three Month	350/-	C&D
3	R/R damages on Maloun Kushri road in km 15/00 to 17/300 (SH: C/O Double row 900 mm dia HPC at RD 15/600	2,32,383/-	4700/-	Three Month	350/-	C&D
4	R/R damages on Rana Basti Basot km 0/0 to 1/00 (SH P/L patch work in km 0/0 to 1/00	2,03,664/-	4000/-	Three Month	350/-	C&D
5	C/O Nallah from Gurmail Negi house to Chikni Khad alongwith PWD link road Village Dhang Nihli GP Dhang Nihli (SH C/O U shape Nallah) under DMFT	12,12,726/-	24,250/-	Three Month	500/-	C&D
6	R/O rain damages on link road from Ramshehar Dwar to Baddu km 0/0 to 1/00 (SH P/L B.C work in km 0/400 to 0/900	7,04,529/-	14,090/-	Three Month	350	C&D
7	R/R damages on various roads under Nalagarh sub Division section 1 and 2 (SH P/L NP-2 900mm dia HPC).	2,09,465/-	4250/-	Six Month	350	C&D

Availability of Bid Document and mode of submission: The Bid document is available online and bid should be submitted in online mode on website https://hptenders.gov.in. Bidder would be requird to register in the web-site which is free of cost. For submission of bids, the bidder is required to have Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized certifying authorities (CA) "Aspiring bidders who have not obtained the user ID and password for participating in e-tendering in HPPWD may obtain the same from the website: https://hptenders.gov.in. Digital signature is mandatory to participate in the e-tendering. Bidders already possessing the digital signature issued from authorized CAs can use the same in this tender.

2. Key dates.

1.	Date of Online Publication	7-11-2026 10:00 AM
2.	Document Download Start Date	07-11-2026 11:00 AM
3.	Bid Submission Start and End Date	07-11-2026 at 11:00 AM to 17-11-2026 at 11:00 AM
4	Date of Opening of Bid	17-11-2026 at 11:30 AM

The bidders are advised to note other details of tenders from the department website **www.hptenders.gov.in**

Executive Engineer
Nalagarh Division
HPPWD Nalagarh
R.No. 4685/2026-2027 **(On behalf of Governor of Himachal Pradesh**

RNI NO. HARHIN/2002/08034, Postal Regd. No. HR/AB/54/23-25, हिन्द जनपथ के लिए स्वामी, सम्पादक एवं प्रकाशक एकान्ति रॉय गर्ग द्वारा बूथ नंबर 437-पी, सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित एवं इम्प्रैशन प्रिंटिंग एण्ड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लाट नं. 22, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-2, पंचकूला से मुद्रित। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र पंचकूला होगा। Mob. 9915606900 email: hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com

न्यूज डायरी

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की जयंती पर पंजाबवासियों को दी बधाई

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स. कुलतार सिंह संधवां ने आज शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की जयंती के अवसर पर समस्त पंजाबवासियों और विश्वभर में बसे पंजाबियों को हार्दिक बधाई दी।

स्पीकर संधवां ने महान शासक महाराजा रणजीत सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उन्हें एक महान सम्राट, अद्वितीय योद्धा और कुशल प्रशासक बताया। उन्होंने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह ने विभिन्न सिख मिसलों को एकजुट करके एक विशाल और संप्रभु सिख साम्राज्य की स्थापना की थी।

उन्होंने कहा कि महाराजा रणजीत सिंह का शासनकाल इतिहास में एक स्वर्णिम युग के रूप में जाना जाता है। उनका शासन धर्मनिरपेक्ष सोच, सांप्रदायिक सद्भाव, न्यायप्रियता और जनकल्याणकारी प्रशासनिक व्यवस्था के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है।

स. संधवां ने कहा, 'महाराजा रणजीत सिंह एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने अपार संवेदनशीलता और निष्पक्षता के साथ शासन किया तथा सभी धर्मों और वर्गों के लोगों को समान सम्मान दिया। उनके द्वारा विभिन्न मिसलों का ऐतिहासिक एकीकरण न केवल एक शक्तिशाली और समृद्ध साम्राज्य की स्थापना का आधार बना, बल्कि इससे पंजाबियों में गौरव, एकता और सामूहिक पहचान की स्थायी भावना भी मजबूत हुई।'

शेर-ए-पंजाब की गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लेने की युवाओं और नागरिकों से अपील करते हुए विधानसभा स्पीकर ने सभी से एक प्रगतिशील, शांतिपूर्ण और सद्भावनापूर्ण पंजाब के निर्माण के लिए महाराजा रणजीत सिंह के शांति, भाईचारे और निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया।

मंडियों में सुचारू रूप से चल रहा है धान की खरीद और उठान का कार्य

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। जिला में खरीफ सीजन 2026-27 के दौरान सरकारी खरीद एजंसियों द्वारा धान की खरीद का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। अब तब जिला में 84001 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। वही 81379 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए जिला खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि खरीफ सीजन 2026-27 में जिला में दो सरकारी खरीद एजंसियों- हैफेड तथा हरियाणा वेयरहाउसिंग कारपोरेशन द्वारा धान की खरीद की जा रही है।

उन्होने बताया कि हैफेड द्वारा पंचकूला अनाज मंडी में 10,484 मीट्रिक टन, बरवाला में 25710 मीट्रिक टन और रायपुररानी में 17089 मीट्रिक टन, एचएसआईआईडीसी अलीपुर में 6092 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी रायपुररानी में 3007 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है। इसी प्रकार हरियाणा वेयर हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा बरवाला में 10987 मीट्रिक टन और रायपुररानी में 10632 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई।

उन्होंने बताया कि वहीं हेफेड द्वारा पंचकूला अनाजमंडी से 9720 मीट्रिक टन, बरवाला अनाज मंडी मे 24865 मीट्रिक टन, रायपुररानी अनाजमंडी से 16673 मीट्रिक टन और एचएसआईआईडीसी अलीपुर द्वारा 6070 मीट्रिक टन धान और एचएसआईआईडीसी रायपुररानी से 3007 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया। इसी दौरान हरियाणा वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा बरवाला से 10820 मीट्रिक टन और रायपुररानी से 10224 मीट्रिक टन धान का उठान किया गया है।

गैंगस्टरां ते वार' अभियान का 297वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 525 स्थानों पर छापेमारी; 163 काबू

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के 297वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे प्रांत में गैंगस्टरों के साथियों के रूप में पहचाने गए और मैप किए गए 525 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त प्रांत बनाने के लिए 'गैंगस्टरां ते वार' यह महत्वपूर्ण अभियान है, जिसकी शुरुआत पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा 20 जनवरी, 2026 को की गई थी। प्रांत के सभी जिलों की पुलिस टीमें, 'एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स' पंजाब के सहयोग से पूरे प्रांत में विशेष अभियान चला रही हैं।

297वें दिन, पुलिस टीमों ने छह हथियारों सहित 163 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया; इससे अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 84,072 हो गई है।

इसके अतिरिक्त 174 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियातन कार्रवाई की गई है। पुलिस टीमों ने इस अभियान के दौरान 7 फरार अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

आम लोग, 'एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन' नंबर 93946-93946 पर वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी दे सकते हैं और साथ ही अपराधों या आपराधिक गतिविधियों के बारे में सुराग भी दिया जा सकता है।

इस दौरान, पुलिस टीमों ने नशों के विरुद्ध अपने अभियान 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' को 622वें दिन भी जारी रखते हुए आज 55 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 628 ग्राम हेरोइन, 139 नशीली गोलियां और 1100 रुपये ड्रग मनी बरामद की गई है। इसके साथ ही, केवल 622 दिनों में गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों की कुल संख्या 92,553 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 11 व्यक्तियों को नशा छोड़ने और पुनर्वास के लिए इलाज करवाने हेतु प्रेरित किया है।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी समाज की स्वच्छता एवं स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ : चेयरपर्सन श्री ईश्वर सिंह पलाका

सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरपर्सन की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित



हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के ग्रामीण सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के स्थायी समाधान, सेवा सुरक्षा और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आज हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरपर्सन व पूर्व विधायक श्री ईश्वर सिंह पलाका की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण उच्च स्तरीय संयुक्त बैठक आयोजित हुई।

पंचकूला के सेक्टर-2 स्थित हरियाणा खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के सभागार में आयोजित इस बैठक में आयोग के वाइस-चेयरपर्सन डॉ. भारत भूषण टाक, आयोग के सचिव श्री विश्वजीत सिंह, उप-अधीक्षक श्री मोहन सिंह तथा विकास एवं पंचायत विभाग मुख्यालय से डॉ. दलजीत सिंह सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए जिला विकास एवं पंचायत अधिकारियों व विभागीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

चेयरपर्सन श्री ईश्वर सिंह पलाका ने कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारी समाज की स्वच्छता और स्वास्थ्य की रीढ़ हैं तथा उनके प्रति हमारा रिश्ता केवल प्रशासनिक नहीं बल्कि इंसानियत और नैतिक जिम्मेदारी का है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की मंशा के अनुरूप आयोग प्रदेश के सभी ग्रामीण सफाई कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी मजबूती से खड़ा है।

बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार हर माह 7 तारीख तक वेतन सुनिश्चित किया जाएगा। दिवाली के अवसर पर समय से वेतन जारी करने के लिए अधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए चेयरपर्सन ने निर्देश दिए कि बजट आवंटन और ट्रेजरी प्रक्रिया को प्रत्येक माह 20 से 25 तारीख तक पूरा किया जाए ताकि हर ग्रामीण सफाई कर्मचारी के खाते में हर महीने की 7 तारीख तक वेतन पहुंचना सुनिश्चित हो सके।

कार्यरत सफाई कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर उसके पात्र आश्रित को परिवार की लिखित सहमति (शपथ पत्र) के आधार पर प्राथमिकता से एक्स-ग्रेसिया नीति के तहत नियुक्ति देने के निर्देश दिए गए। साथ ही अनुकंपा नियुक्ति और आर्थिक सहायता के मामलों का निपटारा 3 माह की निश्चित समय-सीमा के भीतर करने का निर्णय लिया गया। कर्मचारियों को प्रमुख त्योहारों पर वेतन अवकाश देने तथा वर्ष में 10 दिन का चिकित्सा अवकाश प्रदान करने के प्रस्तावों पर सकारात्मक चर्चा की गई।

सफाई कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए वार्षिक उपकरण भत्ते को 2 हजार रुपये से बढ़ाकर 5 हजार रुपये करने के प्रस्ताव पर चर्चा हुई। सभी बीडीपीओ और ग्राम पंचायतों को निर्देश दिए गए कि खराब पड़ी कचरा रेहड़ियों व ई-रिक्शा की तत्काल मरम्मत करवाई जाए तथा मास्क, दस्ताने, जूते और झाड़ू आदि समय पर उपलब्ध कराए जाएं। सभी कर्मचारियों के ईपीएफ खातों को सक्रिय रखने और ईएसआईसी कार्ड वितरित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रदेश के सभी बीडीपीओ और डीडीपीओ कार्यालयों में विशेष फ्लैक्स/बैनर लगाने का निर्णय लिया गया, जिन पर नजदीकी ईएसआईसी डिस्पेंसरी व पैनल अस्पतालों की जानकारी के साथ-साथ हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग का हेल्पलाइन नंबर, ईमेल आईडी और शिकायत पोर्टल अंकित होगा। सफाई कर्मचारियों को निजी साहूकारों के चंगुल से बचाने के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से बच्चों की शादी, शिक्षा और मकान निर्माण हेतु कम ब्याज दर पर 2 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक का ऋण तथा वेतन खाते के साथ दुर्घटना/जीवन बीमा सुविधा उपलब्ध कराने की योजना पर कार्य तेज करने का निर्णय लिया गया।

उपायुक्त आदित्य डचलवाल ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण की तैयारियों की समीक्षा की

साहिबजादा अजीत सिंह नगर,- उपायुक्त श्री आदित्य डचलवाल ने आज जनगणना-2027 के दूसरे चरण, अर्थात जनसंख्या गणना, की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूरे करने के निर्देश दिए।



समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त ने चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को उनके निर्धारित ब्लॉक समय पर आवंटित किए जाएं, ताकि क्षेत्रीय स्तर पर सभी तैयारियां पहले से पूरी की जा सकें। उन्होंने सभी जिला प्रमुखों को अपने अधीन कार्यरत सरकारी कर्मचारियों द्वारा भी स्व-गणना की प्रक्रिया में भागीदारी सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए।

जनभागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए श्री डचलवाल ने बताया कि स्व-गणना की सुविधा 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक उपलब्ध रहेगी। इस अवधि के दौरान नागरिक आधिकारिक वेबसाइट https://se.census.gov.in पर जाकर अपने परिवार और आवास से संबंधित जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। सफलतापूर्वक जानकारी जमा होने के बाद एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या (एसई आईडी) जारी की जाएगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि प्रगणकों द्वारा 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना की जाएगी। जो नागरिक पहले ही स्व-गणना कर चुके होंगे, वे अपने घर आने वाले प्रगणकों को एसई आईडी उपलब्ध करवाएंगे, ताकि ऑनलाइन जमा की गई जानकारी का सत्यापन किया जा सके।

मान सरकार ने किसानों को 50 प्रतिशत सब्सिडी पर 2.07 लाख क्विंटल प्रमाणित गेहूं का बीज वितरित किया: गुरमीत सिंह खुड्डियां



चंडीगढ़- पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज घोषणा की कि राज्य में रबी सीजन के दौरान किसानों को अधिक उपज और बेहतर आमदनी सुनिश्चित करने के लिए सब्सिडी पर 2,42,218 क्विंटल गेहूं का बीज उपलब्ध करवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें से अब तक 2.07 लाख क्विंटल से अधिक गेहूं का बीज वितरित किया जा चुका है। यह वितरण 50 करोड़ रुपये की सहायता योजना के तहत किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत किसानों को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा अनुशंसित प्रमाणित गेहूं का बीज आधी कीमत पर उपलब्ध करवाया जा रहा है।

इसमें सब्सिडी की अधिकतम सीमा 2,000 रुपये प्रति हेक्टेयर निर्धारित की गई है।

स. खुड्डियां ने बताया कि इस योजना से 2.42 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिलेगा। गेहूं के बीज पर सब्सिडी का लाभ लेने के लिए अब तक 2.18 लाख से अधिक किसान http://agrimachinerypb.com पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा चुके हैं। श्री मुक्तसर साहिब 19,110 पंजीकरण के साथ राज्य में पहले स्थान पर है। इसके बाद फाजिल्का में 18,369, बठिंडा में 16,832, संगरूर में 16,022 और पटियाला में 12,982 किसानों ने पंजीकरण करवाया है। यह प्रमाणित बीजों के प्रति किसानों के भारी उत्साह को दर्शाता है।

श्री गुरु नानक देव जी विश्व के महानतम आध्यात्मिक एवं सामाजिक क्रांतिकारियों में से एक थे, जिन्होंने अंधविश्वास, कर्मकांड और सामाजिक असमानताओं को चुनौती दी: राज्यपाल कटारिया

पंजाब लोक भवन में श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व को समर्पित शबद कीर्तन का आयोजन



हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक श्री गुलाब चंद कटारिया ने श्री गुरु नानक देव जी को विश्व के महानतम आध्यात्मिक एवं सामाजिक क्रांतिकारियों में से एक बताते हुए कहा कि उन्होंने सदियों पुराने अंधविश्वासों, कर्मकांड, जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानताओं को चुनौती दी तथा मानवता को सत्य, समानता, करुणा और सार्वभौमिक भाईचारे का शाश्वत संदेश दिया।

राज्यपाल पंजाब लोक भवन स्थित गुरु नानक देव ऑडिटोरियम में श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित शबद कीर्तन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर गुरुद्वारा श्री बेर साहिब, सुल्तानपुर लोधी के हजूरी रागी भाई दिलबाग सिंह जी एवं उनके जत्थे ने भावपूर्ण शबद कीर्तन कर वातावरण को आध्यात्मिक श्रद्धा और भक्ति से सराबोर कर दिया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने पंजाब राज्य सूचना आयुक्त श्री हरप्रीत सिंह संधू द्वारा संकलित पुस्तक "Sacred Land of Ik Onkar Sultanpur Lodhi: Divine Visuals of Historic Gurdwara Ber Sahib" का लोकार्पण भी किया। यह प्रकाशन सुल्तानपुर लोधी और गुरुद्वारा श्री बेर साहिब के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करता है, जहाँ श्री गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन के लगभग 14 महत्वपूर्ण वर्ष व्यतीत किए।

सुल्तानपुर लोधी के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए श्री कटारिया ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी के जीवन में इस पवित्र धरती का विशेष स्थान है। पवित्र काली बेई के तट पर ही गुरु साहिब को गहन आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त हुई। उनके दिव्य संदेश 'इक ओंकार' ने ऐसी परिवर्तनकारी आध्यात्मिक विचारधारा की नींव रखी, जो एक परमात्मा की अवधारणा और समस्त मानवता की समानता पर आधारित है तथा जाति और धर्म की सीमाओं से ऊपर उठने की प्रेरणा देती है।

राज्यपाल ने कहा कि गुरु साहिब ने समाज को अंधविश्वास, निरर्थक कर्मकांड और भेदभाव से ऊपर उठकर सत्यपूर्ण जीवन, तार्किक सोच, ईमानदार परिश्रम और परमात्मा के प्रति सच्ची भक्ति को अपनाने की प्रेरणा दी। उनकी शाश्वत शिक्षाएँ और आदर्श जीवन पाँच शताब्दियों बाद भी मानवता का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

श्री कटारिया ने कहा कि गुरु साहिब की दिव्य शिक्षाएँ 'किरत करो, नाम जपो और वंड छको' आज के समय में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने 'सरबत दा भला' को सामूहिक कल्याण, करुणा और भाईचारे पर आधारित एक सार्वभौमिक आध्यात्मिक दर्शन बताते हुए कहा कि यह हमें समस्त मानवता के कल्याण के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा फतेहगढ़ साहिब में 'शहीदी सभा' के दौरान व्यापक प्रबंधों को अंतिम रूप देने के लिए उच्च स्तरीय बैठक

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पुलिस और सिविल प्रशासन को आगामी 'शहीदी सभा' के दौरान श्री फतेहगढ़ साहिब आने वाली संगत के लिए व्यापक प्रबंध करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 'शहीदी सभा' को शांतिपूर्ण, सम्मानजनक और सुचारू ढंग से संपन्न कराने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेगी।

तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'शहीदी सभा केवल एक वार्षिक धार्मिक आयोजन ही नहीं, बल्कि छोटे साहिबजादों - बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी तथा माता गुजरी जी की अद्वितीय कुर्बानी को नमन करने और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने का पवित्र अवसर है। धर्म, सच्चाई और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए दिए गए उनके अद्वितीय शहादत आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली शहीदी सभा के दौरान ऐतिहासिक नगरी के दर्शनों के लिए लगभग 80 लाख संगत आई थी और उन्होंने सभी विभागों को संगतों की संभावित भारी आमद को ध्यान में रखते हुए निकट समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, 'श्री फतेहगढ़ साहिब जाने वाली सभी सड़कों की युद्ध स्तर पर मरम्मत की जानी चाहिए ताकि संगत को पवित्र नगरी की यात्रा के दौरान किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े।'

उन्होंने कहा कि इस दौरान यातायात की सुचारू आवाजाही के लिए पुख्ता प्रबंध किए जाएंगे और विशेष रूप से एक्सप्रेसवे तथा अन्य प्रमुख पहुंच सड़कों के साथ-साथ चिह्नित डायवर्जन बिंदुओं को विशेष रूप से दर्शाया जाएगा। उन्होंने घोषणा की, 'शहीदी सभा के दौरान गांवों और आसपास के क्षेत्रों से आने वाली संगत की सुविधा के लिए 200 शटल बसें चलेंगी। बुजुर्गों और लंबी दूरी तक चलने में असमर्थ लोगों के लिए ई-रिक्शा की संख्या भी बढ़ाई जाएगी ताकि सुविधाजनक संपर्क सुनिश्चित किया जा सके।' मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'संगतों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए 20 आम आदमी क्लिनिक कार्यशील किए जाएंगे। प्रशासन द्वारा संगत के रात्रि निवास के लिए भी प्रबंध किए जाएंगे, जबकि विभिन्न गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के साथ समन्वय करके संगत के लिए उपयुक्त आवास सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी।' पवित्र नगरी में सफाई बनाए रखने के लिए, उन्होंने नगर काउंसिल के कर्मचारियों के अतिरिक्त 50 अतिरिक्त वालंटियरों की तैनाती के निर्देश दिए।

जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) एक्ट पर विचार-विमर्श के लिए तालमेल कमेटी 18 नवंबर को श्री अमृतसर पहुंचेगी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) एक्ट, 2026' के कुछ प्रावधानों को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं को दूर करने और आपसी सहमति बनाने के उद्देश्य से पंजाब सरकार द्वारा गठित की गई तालमेल कमेटी की चौथी बैठक आज यहां आयोजित की गई। इस बैठक के बाद तालमेल कमेटी के सदस्यों ने बताया कि इस अत्यंत संवेदनशील मामले के समाधान के लिए श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित पांच सदस्यीय कमेटी के साथ विचार-विमर्श करने तथा उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए तालमेल कमेटी 18 नवंबर, 2026 को दोपहर 12 बजे सर्किट हाउस, श्री अमृतसर साहिब पहुंचेगी। इस संबंध में तालमेल कमेटी ने श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित सिख विद्वानों की कमेटी के कोर्डिनेटर को पत्र लिखकर इसकी जानकारी साझा की है। कमेटी ने सिख समुदाय की भावनाओं के अनुरूप इस मामले का गंभीरतापूर्वक समाधान निकालने के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाते हुए श्री अकाल तख्त साहिब द्वारा गठित पांच सदस्यीय कमेटी से भी बैठक वाले दिन सहयोग करने की अपील की है। आज की बैठक में तालमेल कमेटी के सभी सदस्यों ने एकमत से कहा कि कमेटी 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) एक्ट, 2026' में आवश्यक संशोधनों को लेकर विचार-विमर्श करने के लिए सदैव तैयार है और इस दिशा में अपनी ओर से हर संभव प्रयास कर रही है। उल्लेखनीय है कि श्री अकाल तख्त साहिब की ओर से पत्र संख्या अ.त./26/248, दिनांक 31 जुलाई, 2026 के द्वारा पंजाब सरकार को लिखा गया था कि राज्य सरकार द्वारा बनाए गए 'जागत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सतिकार (संशोधन) एक्ट, 2026' पर विचार-विमर्श और सहमति बनाने के लिए श्री अकाल तख्त साहिब की पांच सदस्यीय कमेटी गठित की गई है और सरकार इस कमेटी के साथ संपर्क स्थापित कर कानून के संबंध में सहमति बनाए।

अधिक दूध उत्पादन और किसानों की समृद्धि के लिए वैज्ञानिक तरीके से पशु प्रबंधन अत्यंत आवश्यक: गुरमीत सिंह खुड्डियां

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब की डेयरी अर्थव्यवस्था को और मजबूत करने तथा पशुओं के वैज्ञानिक प्रबंधन को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पशुपालन विभाग द्वारा यहां किसान भवन में पशु चिकित्सा अधिकारियों के लिए राज्य-स्तरीय तकनीकी सेमिनार आयोजित किया गया। 'आधुनिक पशुपालन प्रबंधनः पोषण, बीमारियों की रोकथाम, प्रजनन और फार्मों की सफाई' विषय के अंतर्गत आयोजित इस सेमिनार की अध्यक्षता पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन मंत्री स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने की।



सेमिनार को संबोधित करते हुए स. खुड्डियां ने पशु चिकित्सा अधिकारियों को पारंपरिक उपचार प्रणाली से आगे बढ़ते हुए पशुओं की स्वास्थ्य देखभाल के प्रति सक्रिय और रोकथाम-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सा अधिकारी वैज्ञानिक प्रगति और ग्रामीण समृद्धि के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं और आधुनिक पशु चिकित्सा जानकारी के माध्यम से डेयरी किसानों को लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक रूप से संतुलित आहार, बेहतर आनुवंशिक क्षमता, कुशल प्रजनन प्रबंधन, फार्म की उचित सफाई और व्यापक टीकाकरण कवरेज की ओर मार्गदर्शन करने को कहा। उन्होंने आगे कहा कि पशुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा, दूध उत्पादकता में सुधार और किसानों की आय बढ़ाने के लिए समय पर रोकथाम-आधारित स्वास्थ्य देखभाल और बेहतर पशु प्रबंधन पद्धतियां आवश्यक हैं।

पशुपालन मंत्री ने पशु चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, जमीनी स्तर पर कुशल सेवाएं प्रदान करने, 'राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम' (एनएडीसीपी) के अंतर्गत सख्त 'सीरो-मॉनिटरिंग' प्रोटोकॉल लागू करने और प्रयोगशाला अनुसंधान को फार्म स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

तकनीकी सत्रों में डेयरी पशु प्रबंधन के प्रमुख पहलुओं पर प्रतिष्ठित वैटरनरी विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। डॉ. जीवन गुप्ता ने डेयरी फार्मों की दीर्घकालिक स्थिरता और लाभप्रदता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी लागत प्रबंधन और पशुओं को बीमारियों से बचाने के महत्व को उजागर किया। अक्सर अनदेखी की जाने वाली चिंताओं जैसे सब-क्लिनिकल एनीमिया, रुमेनल पीएच में उतार-चढ़ाव और चारे तथा पानी में माइकोटॉक्सिन प्रदूषण पर ध्यान देते हुए, उन्होंने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों का शुरुआत में ही पता लगाने के लिए समय-समय पर हीमोग्लोबिन (एचबी) प्रोफाइलिंग की सिफारिश की। उन्होंने टिक वैक्टरों को नियंत्रित करने और हीमोप्रोटोजोआन बीमारियों को रोकने के लिए फ्लेम गन द्वारा थर्मल कीटाणुशोधन सहित प्रभावी टिक-नियंत्रण उपायों पर भी जोर दिया।

डॉ. रविंदर ग्रेवाल ने रूमिनेंट पोषण पर बोलते हुए कहा कि अधिक उत्पादकता वाले पशुओं की आनुवंशिक क्षमता का वैज्ञानिक रूप से तैयार किए गए और चरण-विशिष्ट पोषण के माध्यम से ही पूरी तरह से पता लगाया जा सकता है।

पटियाला और मोगा ज़िलों में होने वाले नगर पालिका के पुनः-चुनावों के लिए पहले दिन कुल 3 नामांकन पत्र प्राप्त हुए

चंडीगढ़- राज्य चुनाव आयोग, पंजाब ने जानकारी दी है कि नगर निगम पटियाला (ज़िला पटियाला) के 30 वार्डों, नगर कौंसिल बाघा पुराणा के 15 वार्डों और नगर कौंसिल धर्मकोट (ज़िला मोगा) के 7 वार्डों के सदस्यों के चुनाव के लिए, नामांकन भरने के पहले दिन यानी 13.11.2026 को कुल 3 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं।

राज्य चुनाव आयोग ने आगे बताया कि नामांकन पत्र दाखिल करने के पहले दिन ज़िला मोगा के अंतर्गत नगर कौंसिल बाघा पुराणा के 15 वार्डों के चुनाव के लिए 3 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं, जबकि नगर निगम पटियाला के 30 वार्डों और नगर कौंसिल धर्मकोट (ज़िला मोगा) के 7 वार्डों के चुनाव के लिए कोई भी नामांकन पत्र प्राप्त नहीं हुआ।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला कैंट भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर अनुबंधों के आवंटन के लिए IREPS वेबसाइट पर ई–ऑक्शन के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करते हैं।

क्र म.	लॉट संख्या	विवरण	नीलामी प्रारंभ तिथि / समय
1	ADVT-UMB-BTI-OH-39-22-2	बठिंडा में 720 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल में होर्डिंग / यूनिपोल प्रदर्शित करने के लिए थोक वाणिज्यिक विज्ञापन अनुबंध।	27.11.2026 12.00.00 hrs
2	ADVT-UMB-LHA-OH-386-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल के लहरागागा–गुरने खंड में समपार फाटकों / आर.यू.बी. / एल.एच.एस. पर स्थित 04 स्थानों पर 08 साइटों, जिनमें यूनिपोल / होर्डिंग शामिल हैं, का कुल विज्ञापन क्षेत्र 1440 वर्ग फुट है।	27.11.2026 12.00.00 hrs
3	ADVT-UMB-KARR-OH-388-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल खरड़–फतेहगढ़ साहिब. एवं खरड़.– लाल कलां खंड में समपार फाटकों / आर.यू.बी. / एल.एच.एस. पर स्थित यूनिपोल / होर्डिंग वाले 26 स्थलों का कुल विज्ञापन क्षेत्र 3748 वर्ग फुट है।	27.11.2026 12.00.00 hrs
4	ADVT-UMB-PTA-OH-385-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल के राजपुरा–धुरी खंड में समपार फाटकों / आर.यू.बी. / एल.एच.एस. पर स्थित 04 स्थानों पर 08 साइटों, जिनमें यूनिपोल / होर्डिंग शामिल हैं, का कुल विज्ञापन क्षेत्र 1152 वर्ग फुट है।	27.11.2026 12.00.00 hrs
5	ADVT-UMB-ABS-OH-390-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल के बठिंडा–अबोहर खंड में समपार फाटकों / आर.यू.बी. / एल.एच.एस. पर स्थित 04 स्थानों पर 04 साइटों, जिनमें यूनिपोल / होर्डिंग शामिल हैं, का कुल विज्ञापन क्षेत्र 576 वर्ग फुट है।	27.11.2026 12.00.00 hrs
6	ADVT-UMB-SASN-OH-389-26-1	स्थल योजना के अनुसार, अंबाला मंडल के मोहाली / खरड़ खंड में समपार फाटकों / आर.यू.बी. / एल.एच.एस. पर स्थित यूनिपोल / होर्डिंग वाले 29 स्थलों का कुल विज्ञापन क्षेत्र 6346 वर्ग फुट है।	27.11.2026 12.00.00 hrs
7	ADVT-UMB-KARR-OSN-381-26-1	खरड़ रेलवे स्टेशन पर 225 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 09 विज्ञापन बोर्डों, समराला में 210 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 08 विज्ञापन बोर्डों तथा न्यू मोरिंडा रेलवे स्टेशन पर 510 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 17 विज्ञापन बोर्डों के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन (नॉन–डिजिटल) (स्थल योजना के अनुसार)।	27.11.2026 12.00.00 hrs
8	ADVT-UMB-DUI-OSN-382-26-1	धूरी रेलवे स्टेशन पर 140 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 16 विज्ञापन बोर्डों, संगरूर में 87.5 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 10 विज्ञापन बोर्डों तथा सुनाम उधम सिंह वाला रेलवे स्टेशन पर 35 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल वाले 04 विज्ञापन बोर्डों के माध्यम

संपादकीय

छोटी-छोटी बातों पर आपा खोते लोग, बढ़ती हिंसा और घटते विवेक का संकट

आजकल आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आने लगी हैं, जिनमें सड़क पर वाहन छू जाने या किसी अन्य बेहद मामूली बात पर बहस के बाद विवाद हिंसक हो जाता है और नौबत खूनखराबे तक पहुंच जाती है। एक सभ्य और विवेकवान समाज में अगर कभी किसी मसले पर विवाद की स्थिति बनती है, तो दोनों पक्ष उसे आपसी संवाद के जरिए हल कर लेते हैं और बात को सिर्फ एक तात्कालिक उतार-चढ़ाव के रूप में देखते हैं। मगर हाल के वर्षों में शहरों-महानगरों में आम जनजीवन में जिस तरह के तनाव घुलते देखे जाने लगे हैं, कई बार उनका कोई बड़ा आधार नहीं होता, लेकिन उनका अंत बेहद त्रासद होता है।इससे विचित्र और अफसोसजनक क्या होगा कि एक बेहद मामूली और अनदेखी करने लायक बात पर दो पक्षों के बीच तनाव सारी हदें पार कर हिंसक रुख अख्तियार कर लेता है और नाहक ही किसी की जान चली जाती है। देश भर में अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिनमें बहुत छोटी बात पर मारपीट या हत्या भी हो जाती है।हाल ही में हरियाणा के फरीदाबाद में एक व्यक्ति ने अपनी निर्धारित पार्किंग की जगह पर खड़ी कार को हटाने के लिए पड़ोसी को कहा। इस मामूली-सी बात से उपजे विवाद के बाद आरोपी इतना बेलगाम हो गया कि उसने बिना सोचे-समझे गोलियां चलानी शुरू कर दीं, जिसमें उस व्यक्ति की जान चली गई।इस तरह, सिंगापुर से दिवाली का त्योहार अपने परिवार के साथ मनाने फरीदाबाद आए व्यक्ति की जिंदगी एक बेमानी विवाद का शिकार हो गई। यह समझना मुश्किल है कि इतनी साधारण-सी बात पर कोई इस कदर आपा कैसे खो दे सकता है कि वह किसी की हत्या कर दे।मगर विडंबना यह है कि आजकल आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आने लगी हैं, जिनमें सड़क पर सिर्फ वाहन छू जाने या अन्य किसी बेहद मामूली बात पर बहस हो जाने के बाद एक या फिर दोनों पक्ष अपना आपा खो देते हैं। हैरानी की बात यह भी है कि हिंसक टकराव में शामिल होते हुए लोग एक बार भी नहीं सोचते कि उसमें नाहक ही किसी की जान जा सकती है और उसके आरोपी को अपना जीवन कानून की गिरफ्त में काटना पड़ सकता है।ऐसा लगता है कि लोगों में धैर्य से कोई बात सुनने और उसे समझकर प्रतिक्रिया देने का विवेक खत्म होता जा रहा है। यह अफसोसनाक स्थिति आज की हकीकत बनती जा रही है, जिस पर सबको विचार करने की जरूरत है।

आर्थिक विकास के बीच मध्य वर्ग और छोटे कारोबारियों की चुनौतियां, संतुलन जरूरी

(राकेश गांधी)

उद्योगों को प्रोत्साहन देने की नीति को व्यापक आर्थिक दृष्टि से देखा जाना चाहिए। निवेश बढ़ेगा तो उत्पादन, रोजगार और राजस्व सृजन के अवसर भी बढ़ेंगे। प्रतिस्पर्धा बढ़ने, कर्ज महंगा होने या मांग घटने की स्थिति में छोटे व्यापारियों के लिए कारोबार चलाना कठिन हो सकता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी सरकार की सबसे बड़ी परीक्षा केवल आर्थिक विकास दर बढ़ाने की नहीं होती, बल्कि यह सुनिश्चित करने की होती है कि विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों तक संतुलित रूप से पहुंचे। निर्धन परिवारों को बुनियादी सुविधाओं की सुरक्षा चाहिए, उद्योगों को निवेश और विस्तार के अवसर चाहिए, जबकि मध्य वर्ग और छोटे कारोबारी स्थिर आय, कम लागत और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की अपेक्षा रखते हैं। सफल आर्थिक नीति वही मानी जाएगी, जो इन विभिन्न आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित कर सके। भारत में आर्थिक बहस अक्सर गरीबों के कल्याण और उद्योगों के प्रोत्साहन के इर्द-गिर्द केंद्रित रहती है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि किसी भी लोकतंत्र में कमजोर वर्गों की सहायता और निवेश को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारियों में शामिल है। मगर इस विमर्श में मध्य वर्ग और छोटे कारोबारियों की स्थिति कई बार अपेक्षित गंभीरता से चर्चा का विषय नहीं बन पाती। जबकि यही वह वर्ग है जो कर भुगतान, उपभोग, रोजगार सृजन और बचत के माध्यम से अर्थव्यवस्था की रीढ़ का काम करता है।

मध्य वर्ग का जीवन निरंतर संतुलन साधने का प्रयास है। महीने की आय आने के साथ ही उसका बड़ा हिस्सा मकान की किस्त या किराए, बच्चों की पढ़ाई, बिजली-पानी, परिवहन, स्वास्थ्य और रोजमर्रा की जरूरतों में खर्च हो जाता है। नौकरीपेशा वर्ग प्रत्यक्ष कर चुकाता है और उपभोग के दौरान अप्रत्यक्ष करों का भार भी वहन करता है। इन सबके बाद बचत के लिए सीमित संसाधन ही बचते हैं। ऐसे में महंगाई या किसी



अप्रत्याशित संकट का असर इस वर्ग पर अपेक्षाकृत तेजी से पड़ता है।

छोटे कारोबारी की स्थिति भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। किसी दुकान, प्रतिष्ठान या छोटे उद्यम की कुल बिक्री को उसकी वास्तविक आय नहीं माना जा सकता। किराया, कर्मचारियों का वेतन, माल की खरीद, बिजली, परिवहन और अन्य परिचालन खर्च निकालने के बाद ही वास्तविक लाभ सामने आता है। प्रतिस्पर्धा बढ़ने, कर्ज महंगा होने या मांग घटने की स्थिति में छोटे व्यापारियों के लिए कारोबार चलाना कठिन हो सकता है। पिछले दो दशकों की आर्थिक यात्रा को देखें, तो विभिन्न दौरों में अलग-अलग प्रकार की उपलब्धियां और चुनौतियां दिखाई देती हैं। 2004 से 2014 के बीच के वर्षों में कई बार महंगाई ने घरेलू बजट पर दबाव डाला। खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतों में वृद्धि ने आम उपभोक्ताओं को प्रभावित किया। दूसरी ओर, कारोबारियों को बहुस्तरीय कर व्यवस्थाओं और जटिल प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जूझना पड़ता था।

2014 के बाद आर्थिक ढांचे में कई परिवर्तन हुए। डिजिटल भुगतान का विस्तार हुआ, आधारभूत ढांचे के विकास पर बल बढ़ा, बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच का दायरा विस्तृत हुआ और प्रशासन में तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहन मिला। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के माध्यम से विभिन्न अप्रत्यक्ष करों को एकीकृत करने का प्रयास किया गया। इन कदमों ने आर्थिक गतिविधियों में पारदर्शिता और औपचारिकता को बढ़ावा दिया। हालांकि यह भी सत्य है कि इन परिवर्तनों के प्रभाव सभी क्षेत्रों और सभी कारोबारियों पर समान रूप से नहीं पड़े।

विशेष रूप से छोटे व्यापारियों के लिए नई व्यवस्था कई नई जिम्मेदारियां भी लेकर आई। ऑनलाइन आयकर रिटर्न, डिजिटल लेखांकन और अनुपालन संबंधी प्रक्रियाएं बड़े संगठित कारोबारों की तुलना में छोटे उद्यमों के लिए अधिक चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती हैं। बड़ी कंपनियां विशेषज्ञों की मदद लेने में सक्षम होती हैं, जबकि छोटा कारोबारी अक्सर स्वयं ही खरीद-बिक्री से लेकर लेखा-जोखा तक संभालता है। या फिर इस काम के लिए उसे वैध तरीके से काम करने वाले किसी पेशेवर की मदद लेनी पड़ सकती है, जिसके लिए उसे अतिरिक्त खर्च का भार वहन करना होगा। इसलिए आर्थिक सुधारों के साथ-साथ प्रक्रियात्मक सरलता भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। उद्योगों को प्रोत्साहन देने की नीति को व्यापक आर्थिक दृष्टि से देखा जाना चाहिए। निवेश बढ़ेगा तो उत्पादन, रोजगार और राजस्व सृजन के अवसर भी बढ़ेंगे। मगर इस प्रक्रिया में यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि छोटे और मध्यम उद्यम प्रतिस्पर्धा में पीछे न छूट जाएं। सस्ती ऋण सुविधा, समय पर भुगतान, नियामकीय सरलता और तकनीकी सहायता जैसे उपाय छोटे कारोबारियों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

मध्य वर्ग की चिंताएं केवल कर भार तक सीमित नहीं हैं। वास्तविक प्रश्न यह है कि आय और कर भुगतान के बाद परिवार के पास कितनी आर्थिक सुरक्षा बचती है। आज शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में निजी खर्च लगातार बढ़ रहा है। अनेक परिवार बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए निजी संस्थानों का सहारा लेते हैं। इसी प्रकार, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता न होने पर निजी अस्पतालों का विकल्प चुनना पड़ता है। परिणामस्वरूप आय का बड़ा हिस्सा आवश्यक सेवाओं पर खर्च हो जाता है।

निस्संदेह सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सुरक्षा और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों पर व्यापक निवेश करती हैं। गरीब और वंचित वर्गों को खाद्यान्न, आवास तथा अन्य सहायता योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करना राज्य की अनिवार्य जिम्मेदारी है। मगर इसके साथ यह पक्ष भी प्रासंगिक है कि सार्वजनिक सेवाओं की गुणवत्ता इतनी सुदृढ़ हो कि नागरिकों को बुनियादी जरूरतों के लिए अत्यधिक निजी व्यय न करना पड़े।

आर्थिक नीति का उद्देश्य केवल राजस्व संग्रह या विकास दर बढ़ाना नहीं होना चाहिए। उसका अंतिम लक्ष्य नागरिकों की जीवन-गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए। अगर आय बढ़ने के बावजूद परिवार की बचत नहीं बढ़ रही, शिक्षा और स्वास्थ्य का खर्च लगातार घरेलू बजट पर दबाव बना रहा है, या छोटे कारोबारियों के लिए व्यवसाय चलाना अधिक कठिन हो रहा है, तो नीति-निर्माताओं को इन संकेतों पर गंभीरता से विचार करना होगा। आर्थिक विकास की वास्तविक कसौटी यही है कि सामान्य नागरिक स्वयं को कितना सुरक्षित और सक्षम महसूस करता है। गरीबों को राहत, उद्योगों को प्रोत्साहन और मध्य वर्ग को आर्थिक स्थिरता प्रदान करना परस्पर विरोधी लक्ष्य नहीं हैं। बल्कि इन्हीं तीन स्तंभों के बीच संतुलन स्थापित करके एक मजबूत, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था का निर्माण किया जा सकता है। मध्य वर्ग और छोटे कारोबारियों की चुनौतियों को समझना किसी राजनीतिक बहस का विषय नहीं, बल्कि देश की आर्थिक सेहत का अनिवार्य प्रश्न है। यही वह वर्ग है जो कर चुकाता है, रोजगार देता है, उपभोग बढ़ाता है और भविष्य के लिए बचत करता है। इसलिए इसकी आर्थिक क्षमता को मजबूत बनाए रखना राष्ट्रीय प्राथमिकता होनी चाहिए।

विकास के नाम पर क्यों काटे जा रहे पुराने पेड़

(गिरीश पंकज)

2011 की वृक्ष गणना के अनुसार, मुंबई में 29.75 लाख पेड़ हैं। हालांकि पेड़ों की वर्तमान संख्या के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं है। वृक्ष धरा के शृंगार हैं। इनकी हरियाली आंखों को सुकून देती है। पेड़ ऑक्सीजन पैदा करते हैं, तो हम आसानी से सांस ले सकते हैं। पेड़ों में फल लगते हैं। मनुष्य से लेकर पशु-पक्षी उसका स्वाद लेते हैं। पक्षियों का घर भी है पेड़। लेकिन आज मनुष्य विकास के नाम पर बेहिसाब पेड़ों को काटने पर आमादा है। यह स्थिति समूची दुनिया में है। कहीं चार या छह लेन सड़क बनती है, तो उसके लिए पेड़ काटे जाते हैं, फिल्म सिटी बनानी है, तो सैकड़ों पेड़ों की बलि ले ली जाती है! कोई बड़ा कारखाना लगाना हो, तो पेड़ों की निर्मम हत्या कर दो। इस तरह का निर्णय दुर्भाग्यवश वे लोग लेते हैं, जो प्रतियोगी परीक्षा पास करके कलेक्टर या अधिकारी बनते हैं। इसमें चुने हुए प्रतिनिधि भी प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी निभाते हैं। ऐसे लोग आज हैं, कल नहीं रहेंगे, लेकिन ये पढ़े-लिखे होने के बावजूद विवेकशून्य लोग पर्यावरण का विनाश करने के लिए याद किए जाएंगे। अफसोस की बात यह है कि पेड़ काटना अपराध है, लेकिन किसी भी बड़े अपराधी को कोई सजा नहीं मिलती। विकास की अंधी दौड़ में मानव समाज खुद अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने पर तुला हुआ है। मान लिया कि पेड़ काटना बहुत जरूरी है, तो इसके विकल्प भी मौजूद हैं। उन पेड़ों को अन्यत्र स्थानांतरित किया जा सकता है। अब ऐसी तकनीक भी आ गई है। इस काम को आंध्र प्रदेश के कृष्णपेट्टी रेड्डी कुछ वर्षों से कर रहे हैं। अब तक वे



सात-आठ हजार पेड़ों को एक से दूसरी जगह पर स्थानांतरित कर चुके हैं। सरकार ऐसे लोगों की मदद ले सकती है। अलग ले जाकर लगा देने के बाद कुछ पेड़ जरूर नष्ट हो जाते हैं, लेकिन ज्यादातर बचे रहते हैं। उसके साथ ही बची रहती है हरियालीज पक्षियों के घरज शुद्ध हवाज स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण। मगर पर्यावरण को लेकर सत्ता और प्रशासन में बैठे लोग गंभीर नहीं होते। ये लोग बातें बड़ी-बड़ी करते हैं, लेकिन उनके निर्णय आखिर समाज विरोधी और कभी-कभी पर्यावरण विरोधी भी हो जाते हैं। अब समय आ गया है कि निर्णायक की भूमिका में बैठे लोग आत्म-मंथन करें और सोचें कि वे आखिर क्या कर रहे हैं! जिस समाज में रहते हुए उन्हें अच्छी-खासी नौकरी मिली, उस समाज को ही नष्ट करने पर क्यों आमादा हैं? आज भी हर राज्य में हजारों एकड़ बंजर जमीन पड़ी हुई है। वहां हम बड़े-बड़े कारखाने लगा सकते हैं। छत्तीसगढ़ में फिल्म सिटी बनाने के लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाएं, यह जरूरी नहीं। जहां हरे-भरे पेड़ लगे हों, वहीं हम फिल्म सिटी विकसित करें या कोई बड़ा कारखाना क्यों लगाएं?

अनेक पर्यावरण प्रेमी कटते हुए पेड़ को देखकर पीड़ा से भर जाते हैं। कुछ लोग तो पेड़ों को बचाने के लिए उनसे जाकर चिपक जाते हैं, लेकिन उन्हें जबरदस्ती हटा दिया जाता है। उल्टे उन पर कड़ी कार्रवाई कर दी जाती है कि ये सरकारी काम में बाधा पैदा कर रहे थे। कैसे उलटी रीत हो गई है। जिनका अभिनंदन करना चाहिए, हम उन्हें दंडित करने लगते हैं? यह बेहद निर्मम समय है। इसमें अभिव्यक्ति करना भी खतरे से खाली नहीं है। वृक्षों का प्रत्यारोपण यानी 'ट्री-ट्रांसप्लांटेशन' कोई असंभव या जादुई काम नहीं है, बल्कि यह आधुनिक विज्ञान, संवेदनशीलता और इच्छाशक्ति का साझा परिणाम है। जब दुनिया के कई देश अपनी सदियों पुरानी विरासतों और विशालकाय दरख्तों को बचाने के लिए अत्याधुनिक हाइड्रोलिक मशीनों और विशेष रसायनों की मदद से पूरा का पूरा वृक्ष उठाकर दूसरी जगह सुरक्षित रोप सकते हैं, तो हमारे देश में यह काम व्यापक स्तर पर क्यों नहीं हो सकता? हमारे पास वैज्ञानिक हैं, संसाधन हैं, विशाल बजट है। बस कमी है, तो उस संवेदना की जो किसी हरे-भरे तने को सिर्फ लकड़ी का डंठल न मानकर एक जीवित प्राणवान अस्तित्व समझे।

प्रशासनिक स्तर पर अक्सर यह दलील दी जाती है कि पेड़ों का स्थानांतरण एक खर्चीली और जटिल प्रक्रिया है, लेकिन क्या कभी उन नीति-नियंताओं ने यह हिसाब लगाया है कि पचास या सौ साल पुराने एक बरगद या पीपल को तैयार करने में प्रकृति को कितना वक्त लगता है और कितने साधन खर्च करने पड़ते हैं? एक परिपक्व वृक्ष प्रतिदिन जितना ऑक्सीजन देता है, जितना कार्बन डाइऑक्साइड सोखता है, भूजल स्तर को जितना थाम कर रखता है और जितने पक्षियों को आश्रय देता है, उसकी आर्थिक कीमत अरबों रुपयों में भी नहीं आंकी जा सकती। दस नए पौधे रोप देने के कागजी वादों से किसी सौ साल पुराने दरख्त की भरपाई कभी नहीं हो सकती। नए पौधे लगाना स्वागतयोग्य है, पर पुराने और फलते-फूलते वृक्षों को उखाड़ फेंकना आत्मघाती पागलपन है।

वर्ग पहेली 6272



संकेतः बाएं से दाएं
1. इस प्रसिद्ध हास्य कवि की जन्म तारीख व निधन होने की तारीख एक ही है जन्म 18 सितंबर व निधन 18 सितंबर (6)
7. राजीव, पुरानी फिल्मों के गीतकार (3)
8. भगवान श्रीगणेश के नामों में से एक (4)
10. गीत, तराना (3)
11. हृदय, मन, अंतःकरण (2)
12. परस्पर निर्वाह करना, बुहारना (3)
16. शोधलेख, शोधपत्र, शोधरचना (3)
18. यह सुप्रसिद्ध कवि कालिदास की एक प्रसिद्ध दूत काव्य है (4)
21. शब्द, वाणी, बोली (3)
22. पुराणानुसार पांचवां लोक जहां मनुष्य रहते है, सर्वसाधारण (2)
23. यह कृष्ण-भक्ति शाखा की प्रमुख कवयित्री है (2)
25. दीवार में छेद करके या सेंध लगाके चोरी करने वाला (5)
26. श्रीराम के भाई भरत के ज्येष्ठ पुत्र का नाम जिन्होंने गांधार में तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)

संकेतः ऊपर से नीचे
1. विवाह के पूर्व कुमारी अवस्था में उत्पन्न हुआ पुत्र (3)
2. असर पैदा करने वाला, प्रभाव करने वाला (4)
3. पाचन क्रिया, पाचन शक्ति (3)
4. सूर्य का सारथी होने के कारण अरूण का एक नाम (5)
5. टांका मारना, सिलाई करना, वक्षस्थल (2)
6. समस्त, कुल, सब (3)
9. अगर, जो (2)
13. महाराष्ट्र का यह शहर गोदावरी नदी के समीप स्थित है, पंचवटी वन इसके समीप है (3)
14. दक्षिण अमेरिका में बहने वाली विश्व की सबसे बड़ी नदी (4)
15. पिता के पिता को यह कहा जाता है (2)
17. हिफाजत से रखा हुआ, सुरक्षित(4)
19. गड़गड़ाहट, गर्जन, मेघनाद (3)
20. शिष्टता, विवेक, सभ्यीकरण (3)
24. जंघा, जांघ (2)

वर्ग पहेली 6271 का हल

म	ले	रि	या		ला	य	द
हे		का	ता		द	ख	
श	ह	र	या	र			वा
भू	ल		त	ह	की	का	त
प	क	ना		म	ल	य	ज
ति		म		दि		र	
		व	की	ल			भू
पु	का	र	ना		ने	पा	ल

हारी हुई लड़ाई

(अक्षय शुक्ला)

एनसीआर के लोग प्रदूषण की दोहरी मार झेल रहे हैं। सांसों में तो ज़हर घुल ही रहा, ग्रैप की पाबंदियों के कारण दिल्ली की सीमाओं पर अव्यवस्था और जाम अलग। बीएस-6 मानक से नीचे के वाहनों पर एकतरफा बंदिशें लगा देने की मार ऐसे लोगों पर अधिक पड़ रही जिन्हें कोई मेडिकल इमरजेंसी हो, देर रात दिल्ली एयरपोर्ट या स्टेशन किसी को लेने या छोड़ने जाना हो। रात 11 बजे के बाद मेट्रो मिलती है न बस। दिन में भी सार्वजनिक परिवहन की हालत कोई बहुत अच्छी नहीं। कितनी अजीब बात है कि पहले आप लोगों को अपनी गाड़ी खरीदने पर मजबूर करते हैं और फिर अचानक एक दिन उस पर रोक लगा देते हैं।

लेकिन इससे हालात सुधर तो रहे नहीं, बल्कि जाम और लग रहा, जिससे ईंधन बर्बाद होने के साथ प्रदूषण में इज़ाफा ही हो रहा। झंझट से बचने के लिए लोग नई गाड़ी खरीदने तक का सोचने लगे हैं। यानी आप सड़कों से वाहन कम करने के लिए पाबंदियां लगा रहे, पर इसके उलट इनकी संख्या ही बढ़ रही। अगर आप चाहते हैं कि लोग अपनी गाड़ी छोड़ें तो विकल्प के तौर पर उन्हें बेहतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट तो दें।

इस स्थिति को समझने के लिए हाल में आए एक सर्वे के नतीजों पर नजर डालते हैं। देशभर में लोग अपने काम पर जाने के लिए किस साधन का इस्तेमाल करते हैं, इस पर सरकार ने पहला हाउसहोल्ड ट्रैवल सर्वे कराया, जिसके दिलचस्प आंकड़े सामने आए। सबसे अधिक 43त्न लोग दोपहिए से दफ्तर जाते हैं। शहरी इलाकों में तो ऐसे लोगों की संख्या 53त्न है। 28त्न से अधिक लोग आज भी पैदल ही काम पर आते-जाते हैं। सिर्फ 15त्न ही बस, ट्रेन, ट्राम जैसे पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं। आंकड़े साफ बता रहे कि सार्वजनिक परिवहन की उचित व्यवस्था न होने के कारण ही लोग खुद के साधन से काम पर जाने को मजबूर हैं।

एनसीआर में निजी वाहनों पर निर्भरता इसलिए अधिक है क्योंकि यहां ढंग का पब्लिक ट्रांसपोर्ट ही नहीं। एनसीआर बोर्ड के गठन को 40 साल से ऊपर हो गए, लेकिन आज तक इस मुद्दे पर गंभीरता से काम नहीं हुआ। लाखों लोग बसा दिए गए, पर वे अपने काम से शहर में या दिल्ली तक कैसे जाएंगे, इसकी कोई व्यवस्था नहीं की। मेट्रो हर छोर तक नहीं जाती। सिटी बसों का यह हाल है कि जहां दिल्ली में 1958 से ये लाइफलाइन बनी हुई हैं तो वहीं पड़ोसी नोएडा को अब जाकर इसकी सेवा नसीब हुई है। लेकिन हाल ऐसा कि ये कब और कहां चलती हैं, किसी को पता नहीं। इनके बस स्टैंड तक नहीं जिससे ये कहीं रुकती नहीं। इनकी संख्या भी इतनी नहीं कि पूरे शहर को कवर कर पाएं। ऐसी औपचारिकता का क्या फायदा। मूल मुद्दों पर फोकस नहीं करेंगे तो प्रदूषण से हर साल यूं ही हारते रहेंगे।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज सेहत पर ध्यान दें और वाणी पर संयम रखें। व्यापार में आपके द्वारा किए जा रहे प्रयास सफल रहेंगे।काम को बोझ अधिक होने के चलते के परिवार के लोगों की अनदेखी न करें।किसी भी तरह के विवाद से खुद को दूर रखें। विरोधियों पर जीत मिलेगी।

वृष

आज आपका दांपत्य जीवन सुखमय, प्रेम और खुशियों से भरा रहेगा। आपके धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। शारीरिक और मानसिक तनाव, पीड़ा या थकान आपको परेशान कर सकती है। परीक्षा में पूरी लगन, ईमानदारी और मेहनत से की गई तैयारी में आपको सफलता प्राप्त होगी।

मिथुन

आज जीवन में धन, संपत्ति और ऐश्वर्य बढ़ेगा। इसके कारण आसपास के लोगों में ईर्ष्या उत्पन्न हो सकती है। आपका पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। प्रशासन या उच्च अधिकारियों से आपको सहायता प्राप्त होगी। लंबे समय से रुका हुआ कार्य आखिर में पूरा हो जाएगा।

कर्क

आज मानसिक उथल-पुथल और कुछ चुनौतियां खड़ी कर सकता है। आपके द्वारा की जा रही व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। हालांकि आपको स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। कार्यक्षेत्र में भी कुछ कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह

आज आपकी इच्छाएं और लक्ष्य आसानी से पूरे हो जाएंगे। घर में उपयोग होने वाली वस्तुओं में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपके नीचे काम करने वाले या किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है। रुपए-पैसे के लेन-देन में सावधानी रखने की जरूरत है। ससुराल पक्ष की तरफ से लाभ प्राप्त हो सकता है।

कन्या

आज मन में कुछ हटकर काम करने की चाह पैदा हो सकती है। आर्थिक स्थिति सुधरेगी और धन के मामलों में सफलता मिलेगी। वाणी में मधुरता और विनम्र के कारण समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और खान-पान में संयम बरतें।

तुला

आज कार्यक्षमता बढ़ेगी और लाभ के अवसरों में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। खान-पान पर संयम रखें और किसी भी प्रकार के वाद-विवाद से बचें।

धनु

आज गुप्त शत्रुओं और ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहना होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, पैसों के मामले में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि कराएगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और खान-पान में संयम बरतें।

कुंभ

आज राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलने से पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लंबे समय बाद किसी अभिन्न मित्र से मुलाकात हो सकती है। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। निकट व दूर की यात्रा का प्रबल संयोग बना रहा है।

वृश्चिक

आज का दिन पुराने रोग और कर्ज से छुटकारा दिलाएगा। व्यावसायिक दिशा में आपको जबरदस्त सफलता मिलेगी। आपको अपने खान-पान में संयम बनाकर रखना होगा। अनावश्यक खर्चों का भी आपको सामना करना पड़ सकता है। विरोधियों का आपके ऊपर हावी रहेंगे।

मकर

आज का दिन रोजी-रोजगार और करियर के मामलों में सफलता दिलाएंगे। दिन आपको किसी प्रकार का उपहार व सम्मान मिल सकता है। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। किसी यात्रा पर जाने का प्लान है तो वह सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजनों से मुलाकात से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

मीन

आज ऑफिस या व्यापार में आपके काम की सराहना होगी। रुके हुए प्रोजेक्ट के पूरा होने से आपके वर्चस्व में वृद्धि होगी। पुराने झगड़े और झंझटों से आपको मुक्ति मिलेगी। किसी प्रकार का उपहार व सम्मान आपको मिल सकता है। ससुराल पक्ष से तनाव किसी बात को लेकर तनाव पैदा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ई-कॉमर्स कंपनियों को झटका, ऑनलाइन फेस्टिव सेल में मोबाइल की बिक्री घटी

नई दिल्ली, एजेंसी। इस बार त्योहारी सीजन में मोबाइल फोन की कमजोर बिक्री ने ई-कॉमर्स कंपनियों की उम्मीदों को झटका दिया। मार्केट



रिसर्च फर्म डेटम इंटेलिजेस के मुताबिक महीने भर चली फेस्टिव सेल में ऑनलाइन कंपनियों की कुल बिक्री 1.4 लाख करोड़ रुपये रही। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक यह पिछले साल के मुकाबले 17% ज्यादा है लेकिन 1.5 लाख करोड़ के अनुमान से कम है। फेस्टिव सेल में मोबाइल की हिस्सेदारी घटकर 25% रह गई, जो 2024 में 38% और 2025 में 35% थी। नवरात्र सेल में ऑनलाइन स्मार्टफोन की बिक्री पिछले साल के मुकाबले 16% घटी। हालांकि, एमेजॉन ने अपने प्लैटफॉर्म पर प्रीमियम एंड्रॉयड स्मार्टफोन की बिक्री में 50% की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की। फेस्टिव सेल्स वॉल्यूम में अमूमन इलेक्ट्रॉनिक्स का हिस्सा आधे से अधिक रहता है लेकिन ऊंची कीमत के कारण इस साल सेल्स प्रभावित हुई है। मोबाइल फोन के बाद सेल्स में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी लाइफस्टाइल की 15 से 16 फीसदी रही। इस बीच दिवाली सीजन में ऑफलाइन भी स्मार्टफोन सेल्स की बिक्री में 18 से 20 फीसदी गिरावट आई है। ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन ने यह दावा किया है। नवरात्रि और दशहरे के दौरान स्मार्टफोन की बिक्री में 20 फीसदी गिरावट का अनुमान जताया था। दिवाली के बाद दो भारतीय स्मार्टफोन कंपनियों ने कीमत में 3,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। दो मॉडल की कीमत 10,000 रुपये से ज्यादा हो चुकी है जबकि लावा ने 15 नवंबर से कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। दोनों कंपनियों ने मेमोरी की कीमत में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए कीमतों में इजाफा किया है। एंट्री-लेवल मार्केट में तेजी से गिरावट आई है।

एनवीडिया से विदाई के बाद सामने आया जेंसन हुआंग का तीसरा 'चक्कर'

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की टॉप कंपनियों में शामिल एनवीडिया के सीईओ और फाउंडर जेंसन हुआंग ने इस्तीफा दे दिया है। लेकिन इस्तीफे के बाद उनका एक और महिला से अफेयर सामने आया है। सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि यह महिला भी एनवीडिया की कर्मचारी है। इससे पहले हुआंग ने एक चीनी महिला के साथ करीबी संबंधों की बात स्वीकार की थी जबकि कंपनी की एक अन्य महिला के साथ भी उनके संबंध उजागर हुए थे। इस तरह अब तक हुआंग के तीन महिलाओं के साथ संबंध सामने आ चुके हैं। हुआंग ने रविवार को चीन की एक महिला के साथ संबंधों की बात स्वीकार की थी। अमेरिका के खुफिया अधिकारियों को शक है कि एलिस हुआंग नाम की यह महिला चीन की जासूस है। साथ ही एनवीडिया की हेल्थकेयर विभाग की वाइस प्रेसिडेंट किंबरली पॉवेल के साथ भी उनके संबंधों का खुलासा हुआ है। अब एक और महिला कर्मचारी के साथ अफेयर की बात सामने आई है। रॉयटर्स की रिपोर्ट में महिला के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। एलिस हुआंग और किंबरली पॉवेल के साथ रिश्ते उजागर होने के बाद जेंसन हुआंग पर इस्तीफे का दबाव बढ़ गया था। उनके इस्तीफे के बाद कंपनी के बोर्ड ने अंतरिम सीईओ बनाया है। साथ ही परमानेंट सीईओ की खोज भी शुरू कर दी है। इसके लिए इंटरनल और एक्सटरनल कैंडिडेट्स पर विचार किया जा रहा है। हुआंग के इस्तीफे से एनवीडिया के शेयरों में काफी गिरावट आई। कारोबार के दौरान यह 10 फीसदी आई। हालांकि बाद में इसमें कुछ सुधार हुआ और यह 4.34 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। कंपनी का शेयर अक्तूबर पीक से 30 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई है। इसका मार्केट कैप अब 4.012 ट्रिलियन डॉलर रह गया है।

हालांकि यह अब भी ऐपल के बाद दुनिया की दूसरी मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी है।

चीन की एक और इंडस्ट्री पर संकट

एनवीडिया ने दिया तगड़ा झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की दिग्गज एआई चिप कंपनी एनवीडिया के सीईओ और को-फाउंडर जेन्सन हुआंग के इस्तीफे से ग्लोबल टेक इंडस्ट्री में हलचल मच गई है। करीब तीन दशक तक कंपनी का नेतृत्व करने वाले हुआंग का जाना ऐसे समय में हुआ है, जब एनवीडिया पर चीन को एआई चिप्स की सप्लाई और कुछ संदिग्ध कारोबारी गतिविधियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस विवाद से अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी तनाव बढ़ने की आशंका है। इसका असर चीन की एआई कंपनियों के साथ-साथ भारत के एआई मिशन, स्टार्टअप, डेटा सेंटर और शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है।

चीन इस समय रियल एस्टेट मार्केट संकट से जूझ रहा है। वहां प्रॉपर्टी की कीमत जमीन पर है। साल 2021 के पीक से लेकर अब तक रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी की कीमतें 40 फीसदी तक गिर गई हैं। अब हुआंग के इस्तीफे के बाद चीन की एआई इंडस्ट्री भी खतरे में दिखाई दे रही है। दरअसल, एनवीडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती अमेरिकी सरकार और जांच एजेंसियों के सवालों का जवाब देना है। अमेरिका में चीन को एडवांस्ड एआई चिप्स की सप्लाई पर पहले से पाबंदियां हैं। अब इस विवाद के बाद इन प्रतिबंधों को और सख्त किए जाने की आशंका है। द इंफॉर्मेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जेन्सेन हुआंग के एलिस हुआंग नाम की एक महिला के साथ कथित संबंधों के कारण चीनी कंपनियों को कम से कम 7.5 अरब डॉलर के एनवीडिया चिप्स तक पहुंच बनाने में मदद मिली। रिपोर्ट में एलिस को चीन की संदिग्ध जासूसी गतिविधियों से जुड़ा बताया गया है।



रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि एनवीडिया ने मेगास्पीड के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच में दखल दिया था। हालांकि, दोनों ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। इस मामले से अमेरिका में चीन के खिलाफ सख्त रुख रखने वाले नेताओं को नया मुद्दा मिल गया है। ऐसे में अमेरिकी सरकार चीन को एनवीडिया के चिप्स पहुंचाने के कानूनी रास्तों पर भी पाबंदियां बढ़ा सकती है। भारत की कई एआई स्टार्टअप, यूनिवर्सिटी और टेक कंपनियां अपने एआई मॉडल तैयार करने के लिए एनवीडिया के हाई-परफॉर्मेंस चिप्स का इस्तेमाल करती हैं। अगर कंपनी की रणनीति में बदलाव होता है या चिप की सप्लाई प्रभावित होती है, तो भारतीय कंपनियों को मुश्किल हो सकती है।

चीन में बढ़ेगी चिप की किल्लत

चीन की कई एआई कंपनियां एनवीडिया के प्रोसेसर पर निर्भर हैं। बीजिंग की एआई कंपनी मूनशॉट, जिसने मॉडल बनाया है, को भी इस साल गर्मियों में एनवीडिया के एडवांस्ड चिप्स की बड़ी खेप तक पहुंच मिलने की रिपोर्ट आई थी। वहीं, चीन की प्रमुख चिप कंपनी भी घरेलू बाजार की पूरी मांग पूरी नहीं कर पा रही है। अब अगर अमेरिका चिप सप्लाई के दूसरे रास्ते भी बंद करता है, तो चीनी कंपनियों के लिए एआई मॉडल की ट्रेनिंग और नए प्रोडक्ट तैयार करना महंगा और मुश्किल हो सकता है। यह संकट ऐसे समय आया है, जब चीन की एआई कंपनियां तकनीकी तरक्की के बावजूद मुनाफा कमाने और आपस में मुकाबला करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। एनवीडिया संकट का असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत सरकार अपने एआई इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए चला रही है। इसके तहत देश में हजारों की कंप्यूटिंग क्षमता तैयार की गई है। इनका इस्तेमाल एआई स्टार्टअप, रिसर्च संस्थानों और कंपनियों को एआई मॉडल बनाने और उनकी ट्रेनिंग में मदद देने के लिए किया जा रहा है। एनवीडिया के नेतृत्व में बदलाव और अमेरिकी सरकार की ओर से चीन को चिप बेचने पर और सख्ती किए जाने की आशंका का असर भारत की चिप सप्लाई पर भी पड़ सकता है। लागत बढ़ने या काम में देरी होने का जोखिम है।

टैक्स छूट के साथ बेहतर रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई बैंक अपनी एफडी योजना से ग्राहकों को सुविधा देते हैं। लोग अच्छी ब्याज दर के साथ बेहतर रिटर्न के बारे में जानकारी करके सावधि जमा (एफडी) योजना में पैसा लगाते हैं। इस दौरान कई ऐसे बैंक होते हैं जो टैक्स सेविंग एफडी की सुविधा देते हैं। इस बीच हम यहां कुल पांच बैंकों की एफडी के बारे में जानेंगे। इस दौरान हम देखेंगे कि ये एफडी योजनाएं 5 साल की अवधि के लिए कितना ब्याज देती हैं। इसके साथ ही हम यह भी जानेंगे कि अगर कोई 10 हजार रुपये की एफडी टैक्स सेविंग की इस योजना में करता है तो उसे पांच साल बाद कितने रुपये की मैच्योरिटी मिल सकती है। बैंक अपनी टैक्स सेविंग एफडी में आयकर की धारा 80सी के तहत रिटर्न में टैक्स छूट का लाभ ग्राहकों को देते हैं। इस दौरान पात्र ग्राहकों को टैक्स छूट के साथ बेहतर रिटर्न मिल जाता है। रिटर्न का यह कमाल बैंक की एफडी ब्याज दर पर काफी निर्भर करता है। जो बैंक अपनी एफडी पर जितना अधिक ब्याज देता है, उसके ग्राहकों को उतना ही अच्छा रिटर्न मिलता है। शुरुआत हम डीसीबी बैंक से करेंगे। यह पांच साल की अवधि के लिए अपनी टैक्स सेविंग एफडी पर 7.5 फीसदी का सालाना ब्याज देता है। इसके अलावा सिटी यूनियन बैंक, आईडीएफसी बैंक, जे एंड के बैंक और यस बैंक अपनी पांच साल की ऐसी एफडी पर 6.8 प्रतिशत का सालाना ब्याज देते हैं। टैक्स सेविंग एफडी में 10 हजार रुपया 5 साल में कितना हो जाएगा, इसे हम नीचे बनाए गए टेबल में जानेंगे। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि इन आंकड़ों को किसी विशेष बैंक की पक्की मैच्योरिटी राशि नहीं माना जाना चाहिए। अंतिम मैच्योरिटी राशि यहां बताए गए आंकड़ों से अलग हो सकती है। इसलिए, 10 हजार रुपये के निवेश पर मिलने वाली सटीक मैच्योरिटी राशि जानने के लिए संबंधित बैंक से संपर्क करना ही बेहतर होगा। डीसीबी बैंक 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी पर कितना ब्याज देता है डीसीबी बैंक 5 साल की टैक्स सेविंग एफडी पर 7.5 फीसदी का ब्याज देता है। टैक्स सेविंग एफडी में किस धारा के तहत कर में छूट मिलती है टैक्स सेविंग एफडी में आयकर की धारा 80सी के तहत कर में छूट मिलती है। टैक्स सेविंग एफडी का लॉक इन पीरियड कितना हो सकता है आमतौर पर टैक्स सेविंग एफडी का लॉक इन पीरियड 5 साल का हो सकता है। एफडी में लॉक इन पीरियड का अर्थ क्या होता है एफडी में लॉक इन पीरियड का अर्थ यह होता है कि आप उस अवधि से पहले अपने पैसों को नहीं निकाल सकते हैं। किसी एफडी में 5 साल के लॉक इन पीरियड का मतलब क्या होता है किसी एफडी में 5 साल के लॉक इन पीरियड का मतलब यह होता है कि आप 5 साल से पहले अपनी जमा राशि को नहीं निकाल सकते हैं।

सिर्फ 200 रुपये से शुरुआत, अब हर महीने 5 लाख रुपये की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है अनन्या मल्होत्रा की। वह देहरादून की रहने वाली हैं। जिस क्रोशिया (बुनाई) की कला को आज की युवा पीढ़ी 'दादी-नानी का शौक' मानकर अक्सर तवज्जो नहीं देती, उसी को अनन्या ने सफल ष्टष्ट बिजनेस मॉडल में बदल दिया है। कोरोना लॉकडाउन के दौरान सिर्फ 200 रुपये से इस सफर की शुरुआत हुई थी। आज उनका ब्रांड अपनी वेबसाइट के साथ ब्लिंकिट और स्विगी इंस्टामार्ट जैसे क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी अपनी खास जगह बना चुका है। इसका नाम 'एनचांटेड थ्रेड्स' है। इसने उत्तराखंड की 120 से ज्यादा महिला कारीगरों को भी आत्मनिर्भर बनाया है। हर महीने इससे 5 लाख रुपये तक की कमाई हो रही है। आइए, यहां अनन्या मल्होत्रा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। देहरादून की अनन्या ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से मैथ्स ऑनर्स किया है। फिर आईएसबी हैदराबाद से एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम कर रखा है। सिर्फ 10 साल की उम्र में उन्होंने अपनी घरेलू सहायिका से क्रोशिया चलाना सीखा था। 17 साल की उम्र में 100-200 रुपये के ऊन और ईयररिंग हुप्स खरीदकर इंस्टाग्राम पर पेज शुरू किया। शुरुआत में वह दोस्तों से यह बात छिपाती थीं। उन्हें लगता था कि कोई इसे 'पुराने जमाने का शौक' न समझे। लेकिन, 2021 में कोरोना लॉकडाउन के दौरान उन्होंने देखा कि मार्केट में चीन से आयातित सस्ते प्रोडक्ट्स की भरमार है। लोगों को असली हैंडमेड उत्पादों की तलाश है। इसी कमी को पूरा करने के लिए उन्होंने इसे फुलटाइम बजिनेस के रूप में आगे बढ़ाया। बिना किसी बाहरी फंडिंग के शुरू हुए इस सफर में अनन्या ने प्रीपेड ऑर्डर मॉडल अपनाया। इससे उन्हें कभी वर्किंग कैपिटल की कमी नहीं हुई। मुनाफे को वह लगातार बिजनेस में ही लगाती रहीं। शुरुआती दिनों में वह डिजाइन, मार्केटिंग, जीएसटी कम्प्लायंस और कस्टमर सर्विस तक सब कुछ अकेले संभालती थीं। लेकिन, काम बढ़ने के साथ उन्होंने क्वालिटी कंट्रोल के लिए 4 क्लस्टर हेड नियुक्त किए। ये क्लस्टर हेड फूलों की पंखुड़ियों की संख्या से लेकर प्रोडक्ट्स के साइज तक हर बारीकी की जांच करते हैं। अनन्या के नेटवर्क में आज उत्तराखंड की 120 से ज्यादा स्थानीय महिला कारीगर जुड़ी हुई हैं। इनमें सबसे खास बात यह है कि अनन्या को बचपन में बुनाई सिखाने वाली उनकी घरेलू सहायिका भी इस स्टार्टअप से जुड़कर आज हर महीने 50,000 रुपये से ज्यादा कमा रही हैं। स्टार्टअप क्रोशिया के फूल, बैग, एक्सेसरीज, प्लशीज और 'फॉरएवर फ्लावर' कलेक्शन जैसे पिनटेरेस्ट-इंस्पायर्ड प्रोडक्ट तैयार करता है। इनकी कीमत 200 रुपये से 5,000 रुपये तक है। औसत ऑर्डर वैल्यू 1,000 से 1,200 रुपये के बीच रहती है। मार्केटिंग के लिए अनन्या ने महंगी एजेंसियों के बजाय इंस्टाग्राम रील्स और ऑर्गेनिक कंटेंट पर भरोसा किया। इसके दम पर आज उनके पेज पर 53,000 से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उन्होंने 'द रिबेल किड' और सेजल कुमार जैसे मशहूर कंटेंट क्रिएटर्स के साथ भी कोलैबोरेशन किया है। वह खुद ग्राहकों से जुड़कर उनकी खास डिमांड का ध्यान रखती हैं।

अब लाखों की कमाई – पहले साल में स्टार्टअप का टर्नओवर 10-11 लाख रुपये था। आज पूरे भारत में यह 10,000 से ज्यादा ऑर्डर पूरे कर चुका है। इसका मंथली रेवेन्यू 3 से 5 लाख रुपये तक पहुंच गया है। अपनी वेबसाइट के अलावा कंपनी के उत्पाद अब पैन-इंडिया लेवल पर ब्लिंकिट और बेंगलुरु में स्विगी इंस्टामार्ट पर भी उपलब्ध हैं। अनन्या ने विदेश जाने या मास्टर्स डिग्री करने के बजाय देहरादून जैसे टियर-2 शहर में रहकर ही इस कला को संवारने का फैसला किया है। अब उनका टारगेट बेबी प्रोडक्ट्स और गिफ्टिंग कैटेगरी में विस्तार करने का है। वह क्रोशिया की दुनिया में 'फैब इंडिया' जैसा देश का सबसे भरोसेमंद ब्रांड बनाना चाहती हैं।

भारत में अपना कच्चा तेल स्टोर करेंगे खाड़ी के देश

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध के शुरुआती दौर में भारत में तेल और गैस की काफी किल्लत हो गई थी। भविष्य में इस स्थिति से बचने के लिए सरकार ने कमर कस ली है। ओडिशा में देश का सबसे बड़ा स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व बनाया जा रहा है। इसमें 40 लाख टन कच्चा तेल स्टोर किया जा सकता है और इस पर 8,571 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। सरकार इसके लिए प्राइवेट इन्वेस्टर्स की तलाश में है। यह फैसिलिटी चंडीखोल में बनाई जा रही है। इससे देश की मौजूदा स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम स्टोरेज कैपेसिटी में 80 फीसदी का इजाफा होगा। टेंडर डॉक्युमेंट्स के मुताबिक सरकार 5,142 करोड़ रुपये का ग्रांट दे रही है और सबसे कम ग्रांट की बोली लगाने वाली कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट दिया जाएगा। सरकार साथ ही विशाखापत्तनम में अपने ऑपरेशनल स्ट्रैटजिक रिजर्व फैसिलिटी की आधी कैपेसिटी यानी 524,000 टन तीन साल के लिए लीज पर देने पर विचार कर रही है। इसे और चार साल के लिए बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा। पश्चिम एशिया के तेल उत्पादक देश अपना कच्चा तेल दूसरे देशों में स्टोर करने का विकल्प तलाश रहे हैं ताकि भविष्य में तेल की सप्लाई बाधित न हो। हाल में सऊदी अरब ने घोषणा की थी कि वह अगले साल से सिंगापुर में तेल स्टोर करना शुरू करेगा। उसकी जापान और साउथ कोरिया में भी क्रूड स्टोरेज फैसिलिटी है। यूएई अपना कुछ तेल भारत में रखता है। जून में उसने भी वॉल्यूम बढ़ाने की बात कही थी। अभी देश की कुल कैपेसिटी 50.3 लाख टन है। विशाखापत्तनम के अलावा मंगलौर और पादुर में स्टोरेज फैसिलिटी है।

12.23 लाख करोड़ स्वाहा, 24 घंटे में भरभराया क्रिप्टोकरेंसी बाजार, बिटकॉइन में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी बाजार में बड़ी गिरावट आई है। पिछले 24 घंटे में क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट कैप 5 फीसदी से ज्यादा गिर गया है। इस गिरावट के कारण पिछले 24 घंटे में क्रिप्टो निवेशकों के 0.13 ट्रिलियन डॉलर (करीब 12.23 लाख करोड़ रुपये) डूब गए। वहीं दुनिया की सबसे महंगी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन भी बुरी तरह लुढ़क गई है। क्रिप्टोकरेंसी में आई इस गिरावट का कारण अमेरिकी एआई कंपनी एनवीडिया में आए संकट को माना जा रहा है। 24 घंटे पहले क्रिप्टो मार्केट कैप 2.45 ट्रिलियन डॉलर था। 24 घंटे बाद शुक्रवार सुबह 9:30 बजे यह गिरकर 2.32 ट्रिलियन डॉलर रह गया। इस गिरावट के कारण फियर एंड ग्रीड फैक्टर गिरकर 19 पर आ गया है। यह दर्शाता है कि निवेशक फिलहाल क्रिप्टोकरेंसी में निवेशक को लेकर सचेत हैं। पिछले 24 घंटे में बिटकॉइन की कीमत में भी बड़ी गिरावट आई है। 24 घंटे में यह 6 फीसदी से ज्यादा लुढ़ककर 70 हजार डॉलर से नीचे आ गया है। सुबह करीब 9:30 बजे एक बिटकॉइन 68,852 डॉलर पर कारोबार कर रहा था। पिछले 7 दिनों की बात करें तो बिटकॉइन 9 फीसदी से ज्यादा लुढ़क चुका है। वहीं एक महीने में इसमें 17 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है। महंगाई बढ़ने, सरकारी बॉन्ड पर ब्याज दरों में तेजी और क्रिप्टो ईटीएफ से लगातार पैसा निकलने के कारण बाजार पर दबाव बढ़ गया है। बिटकॉइन और इथेरियम, दोनों क्रिप्टोकरेंसी में बिकवाली काफी बढ़ चुकी है। हालांकि, कीमतों में स्थिरता तभी आ सकती है जब मौजूदा स्तरों पर खरीदारी बढ़े। बाजार में पहले से जारी बिकवाली के बीच एनवीडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग के इस्तीफे की खबर और टेक शेयरों में कमजोरी ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। हालांकि, अभी ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं है जिससे यह कहा जा सके कि बिटकॉइन की गिरावट की अकेली वजह हुआंग का इस्तीफा है। वजीरएक्स के फाउंडर निश्चल शेट्टी के अनुसार बिटकॉइन का ऋस्ठ करीब 29 पर है। यह संकेत देता है कि हालिया गिरावट के कारण यह ओवरसोल्ड जोन के करीब पहुंच गया है। यानी कीमत में लगातार गिरावट के बाद बिकवाली का दबाव काफी बढ़ चुका है। बिटकॉइन के लिए 70,000 से 70,500 डॉलर का स्तर अहम सपोर्ट है।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जन मार्ग, सेक्टर 9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (आवंटन, प्रबंधन एवं टेनामेंट की बिक्री) विनियमन 1979 के विनियमन 16 के अधीन अपने नामों में **रक्त संबंध हस्तांतरण नीति** के अधीन निम्न कथित ड्वेलिंग यूनिट के आवंटन के **2/3 हिस्से के** हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरी)	सह-आवंटी /हस्तांतरी का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरणकर्ता)	डी.यू.सं.	श्रेणी	सेक्टर
1.	श्री गौतम मेंगी (MENGI) पुत्र श्री राकेश कुमार (राकेश कुमार मेंगी (MENGI) (1/3 हिस्सा)	I) श्रीमती गरिमा कुकरेजा पत्नी श्री गिरीश कुकरेजा (1/3 हिस्सा) II) श्री गौरव मेंगी (MENGI) पुत्र श्री राकेश कुमार (1/3 हिस्सा) (जीपीए धारक श्रीमती गरिमा कुकरेजा पत्नी श्री गिरीश कुकरेजा के माध्यम से)	867-1	एलआईजी	सेक्टर 40-ए, चंडीगढ़

यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट के आवंटन के हस्तांतरण के संबंध में कोई आपत्ति है, तो वह अपनी आपत्ति, यदि कोई हो, इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर लिखित में दस्तावेजी प्रमाण, यदि कोई हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दर्ज करें।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जन मार्ग, सेक्टर 9-डी, चंडीगढ़

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (आवंटन, प्रबंधन एवं टेनामेंट की बिक्री) विनियमन 1979 के विनियमन के अधीन अपने नामों में कथित ड्वेलिंग यूनिट की बिक्री/खरीद की अनुमित हेतु आवेदन किया है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरी)	आवंटी/हस्तांतरी का नाम (हस्तांतरणकर्ता)	डी.यू.सं.	श्रेणी	सेक्टर
1.	श्री राम लाल अरोड़ा पुत्र श्री उदय राम (UDAYA RAM)	(i) श्रीमती रमा देवी पत्नी स्व. श्री बद्री प्रशाद। (ii) श्री ललित गोयल पुत्र स्व. श्री बद्री प्रशाद (बद्री प्रशाद गोयल) (iii) श्रीमती रेखा (रेखा अग्रवाल) पुत्री स्व. श्री बद्री प्रशाद (बद्री प्रशाद गोयल) पत्नी श्री परवीन कुमार एवं (iv) श्रीमती मधु पुत्री स्व. श्री बद्री प्रशाद पत्नी श्री सुदेश कुमार।	544	ईडब्ल्यूएस	सेक्टर 40-ए, चंडीगढ़

यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट की बिक्री/खरीद के संबंध में कोई आपत्ति है, तो वह अपनी आपत्ति, यदि कोई हो, इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर लिखित में दस्तावेजी प्रमाण, यदि कोई हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दर्ज करें।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जन मार्ग, सेक्टर 9-डी, चंडीगढ़



सार्वजनिक सूचना

विषयः आवंटी/हस्तांतरी **श्री सृष्टि पाल वासुदेव पुत्र श्री खराती लाल (के एल. वासुदेव खराती लाल वासुदेव)** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर। **I) श्रीमती अनीता वासुदेव पत्नी स्व. श्री सृष्टि पाल वासुदेव II) सुश्री साक्षी वासुदेव पुत्री स्व. श्री सृष्टि पाल वासुदेव, III) श्री सौरव वासुदेव पुत्र स्व. श्री सृष्टि पाल वासुदेव** के नाम में सेक्टर 43-बी, चंडीगढ़ में श्रेणी-एचआईजी की डीयू सं. **1091** के संबंध में आवंटी/हस्तांतरी का हस्तांतरण/परिवर्तन।

आम जनता एवं सभी संबंधित की जानकारी हेतु एतदद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सेक्टर 43-बी, चंडीगढ़ में श्रेणी-एचआईजी की डीयू सं. **1091** के आवंटी/हस्तांतरी के **श्री सृष्टि पाल वासुदेव पुत्र श्री खराती लाल** की उनके कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा सूचित अनुसार **17.08.2026** को चंडीगढ़ में मृत्यु हो चुकी है। **I) श्रीमती अनीता वासुदेव पत्नी स्व. श्री सृष्टि पाल वासुदेव II) सुश्री साक्षी वासुदेव पुत्री स्व. श्री सृष्टि पाल वासुदेव, III) श्री सौरव वासुदेव पुत्र स्व. श्री सृष्टि पाल वासुदेव** ने **श्री सृष्टि पाल वासुदेव पुत्र श्री खराती लाल (के एल. वासुदेव खराती लाल वासुदेव)** की निर्वसीयत मृत्यु के आधार पर अपने नाम में सेक्टर 43-बी, चंडीगढ़ में श्रेणी-एचआईजी की डीयू सं. **1091** के स्वामित्व के हस्तांतरण हेतु आवेदन किया है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट में दावा/अधिकार/रुचि के संबंध में कोई आपत्ति हो, जो चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा। **I) श्रीमती अनीता वासुदेव (पत्नी), II) सुश्री साक्षी वासुदेव (पुत्री), III) श्री सौरव वासुदेव (पुत्र)** के पक्ष में हस्तांतरित किया जाना प्रस्तावित है, तो वह इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी को लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता/सकती/सकते हैं, जिसमें असफल होने पर कथित डवेलिंग यूनिट का पंजीकरण एवं आवंटन उक्त कथित दावेदार के पक्ष में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जन मार्ग, सेक्टर 9-डी, चंडीगढ़

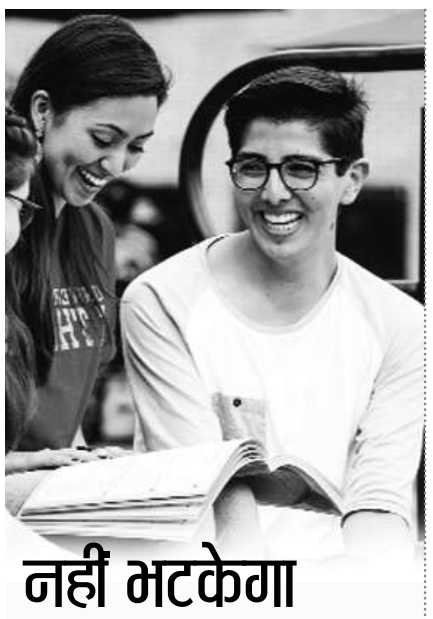
सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों ने चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (आवंटन, प्रबंधन एवं टेनामेंट की बिक्री) विनियमन 1979 के विनियमन के अधीन अपने नामों में कथित ड्वेलिंग यूनिट की बिक्री/खरीद की अनुमित हेतु आवेदन किया है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम (प्रस्तावित हस्तांतरी)	आवंटी/हस्तांतरी का नाम (हस्तांतरणकर्ता)	डी.यू.सं.	श्रेणी	सेक्टर
1.	श्रीमती रजनी रानी पत्नी श्री अशोक कुमार	श्रीमती कांता रानी पत्नी श्री जीवन दास	3307-1	एलआईजी	सेक्टर 45-डी, चंडीगढ़

यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित ड्वेलिंग यूनिट की बिक्री/खरीद के संबंध में कोई आपत्ति है, तो वह अपनी आपत्ति, यदि कोई हो, इस सूचना के प्रकाशन के 21 दिनों के भीतर लिखित में दस्तावेजी प्रमाण, यदि कोई हो, के साथ अधोहस्ताक्षरी के समक्ष दर्ज करें।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़



नहीं भटकेगा पढ़ाई से मन, इन टिप्स को अपनाएं

इसमें कोई दो राय नहीं कि पढ़ाई से मन आसानी से भटक जाता है और एकाग्रता की कमी बडी समस्या बन जाती है। एकाग्रता यानी आप अपने मन और दिमाग को बाकी चीजों से दूर कर एक समय में एक ही जगह लगाए। लेकिन यह बहुत मुश्किल काम है। आप अपने आसपास की चीजों से प्रभावित होते ही है। वहीं छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान लगाना और ज्यादा कठिन हो जाता है। इससे तनाव भी बढ़ जाता है। एकाग्रता बढ़ाना बहुत आसान तो नहीं लेकिन अगर आप निश्चय कर लें तो यह संभव है। यहां हम ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिससे आप एकाग्रता को बढ़ा सकते हैं और किसी भी तरह के तनाव से दूर रहे सकते हैं

- आप मन-मस्तिष्क के लिए आसपास का माहौल बहुत महत्वपूर्ण होता है। एकाग्रता बढ़ाने के लिए माहौल अच्छा होना जरूरी है जिससे आपका मन भटकने से बचता है। इसलिए यही कोशिश करें कि आप पढ़ाई के लिए आरामदायक और शांतिपूर्ण माहौल चुने।
- पहली बार तो यह है कि अगर आप पढ़ाई करने बैठे हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि आप क्या पढ़ाना चाह रहे हैं। इसके लिए पहले से ही अपनी पढ़ाई का खाका तय कर लें। इससे आपके मन में और कोई विचार नहीं आएगा और आपका मन पढ़ाई में लगेगा।
- एकाग्रता में सबसे ज्यादा दखल विचारों की होती है। मन के भटकने का एक कारण विचारों की अधिकता भी है। इसलिए जब पढ़ाई करने समय आपको लगे कि आपके दिमाग में दूसरी चीजें आ रही हैं तो इस बात को लेकर सजग हो जाएं कि आपको अपना ध्यान नहीं भटकाना है। एक बार आप इस बात को लेकर कांशस हो जाएंगे तो एकाग्र होने में मदद मिलेगी।
- अगर आप पढ़ाई के लिए एकाग्र मन चाहते हैं तो जरूरी है कि आपकी स्टडी प्लॉन्ड हो। अगर आप योजना के साथ पढ़ाई करने बैठेंगे तो आसानी होगी। इससे आपकी पढ़ाई और समय के बीच एक अच्छा संतुलन बन जाता है और आप अपनी पढ़ाई पर ज्यादा गंभीरता से ध्यान दे पाते हैं।
- मन तब ज्यादा भटकता है जब आप एक जगह नहीं बैठते। इसलिए एकाग्र मन के लिए आपको बैठने की एक जगह सुनिश्चित कर लेनी चाहिए। यह दृढ़ हो जाए कि आप अपनी पढ़ाई पूरी किए बिना सीट से नहीं उठेंगे।
- बहुत जरूरी है कि आप जहां भी बैठे हो वहां साफ-सफाई होनी चाहिए। अगर वहां बिखराव होगा तो आपका मन भी भटकेगा और ध्यान नहीं लगा पाएंगे।
- एक बहुत जरूरी टिप यही है कि आपको पहले तो शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। अच्छा व्यायाम और पौष्टिक आहार न केवल आपकी एकाग्रता को बढ़ाता है बल्कि आपके शरीर को भी स्वस्थ रखता है। इससे शरीर से आलस और थकान दूर होती है।



कजाकिस्तान में एमबीबीएस करना सबसे अच्छा और सबसे सस्ता विकल्प है

हर साल भारत का करीब 25 हजार युवा छात्र विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज के एमबीबीएस प्रोग्राम्स में एडमिशन लेते हैं। क्योंकि भारत में काउंसिलिंग प्रोसेस पूरा होने के बाद अधिकतर छात्रों, जिनको भारत में सीट नहीं मिलती है वह विदेशी यूनिवर्सिटी का रुख करते हैं।

हर साल भारत का करीब 25 हजार युवा छात्र विदेश की टॉप यूनिवर्सिटीज के एमबीबीएस प्रोग्राम्स में एडमिशन लेते हैं। क्योंकि भारत में काउंसिलिंग प्रोसेस पूरा होने के बाद अधिकतर छात्रों, जिनको भारत में सीट नहीं मिलती है वह विदेशी यूनिवर्सिटी का रुख करते हैं। जून-जुलाई में विदेशी यूनिवर्सिटीज की एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो जाती है। जो बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से चलती रहती है। वहीं इस साल भी विदेश से एमबीबीएस करने के लिए भारत से बड़ी संख्या में छात्रो ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है।

वहीं बाकी के छात्र एमबीबीएस काउंसिलिंग पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। भारत में आई अनिश्चितता से अंतराष्ट्रीय यूनिवर्सिटीज एडमिशन प्रोसेस की डेट्स में बदलाव नहीं करेंगे। इसलिए भारत में नीट परीत्रा पास कर चुके छात्रों के पास अब एक ही ऑप्शन बचा है कि वह एमबीबीएस काउंसिलिंग राउंड में हिस्सा लेकर विदेशी यूनिवर्सिटी में एमबीबीएस के लिए अपनी सीट आरक्षित करें। इससे अगर आपको भारत में सीट नहीं मिली तो कम से कम आपका साल बर्बाद नहीं होगा और विदेश में एमबीबीएस के लिए सीट मिल जाएगी। क्योंकि कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चीन और रूस आदि देशो में अधिकतर यूनिवर्सिटी वीजा जारी करने से पहले ट्यूशन फीस का भुगतान नहीं लेतीं।

विदेश में एमबीबीएस

हर मेडिकल स्टूडेंट को नेशनल एग्जिट टेस्ट देना अनिवार्य है। इसका मतलब यह हुआ कि भले ही आप एम्स में पढ़ाई कर रहे हों, या किसी डीम्ड यूनिवर्सिटी में या फिर विदेश से स्नातक हों। प्रैक्टिस करने का लाइसेंस पाने के लिए सभी डॉक्टरों को भारत में NExT लाइसेंस परीक्षा पास करनी होगी। NMC भारत और विदेश से स्नातक करने वालों को एक समान मानता है। ऐसे में भारत में प्रबंधन/एमबीबीएस सीटों के लिए छात्र भारी फीस क्यों चुकाए। क्योंकि भारत में 1 करोड़ रुपए लागत वाली सीट भी प्रैक्टिस के लिए लाइसेंस नहीं दे सकती है। ऐसे में यहां पर सरकारी सीट के लिए एमसीसी काउंसलिंग से गुजरने और विदेश में कम फीस वाले शीर्ष रैंक कॉलेज में अपनी सीट आरक्षित करने के ऑप्शन को चुनना चाहिए।

जल्दबाजी में न लें एडमिशन

एडमिशन लेना सिर्फ आधे काम को पूरा करना है। स्नातक स्तर पर पाठ्यक्रम के अंत में जब स्टूडेंट वापस भारत आता है, तो उनको FMGE की जगह NExT की परीक्षा देनी होती है। पिछले 10 सालों में लाइसेंस परीक्षा FMGE के रिजल्ट परिणाम साफ दिखाते हैं कि एमबीबीएस में एडमिशन लेने में कोई समस्या नहीं है। लेकिन असल समस्या बाहर निकलने के बाद है। हालांकि स्थानीय सलाहकार छात्रों को सिर्फ एमबीबीएस में प्रवेश प्रदान करते हैं, बाहर निकलने का कोई समाधान नहीं है। ऐसे में आपको उन पेशेवर प्रदाताओं के पास जाने की जरूरत है, तो न सिर्फ आपको एडमिशन दे सकते हैं, बल्कि आपको NExT/USMLE जैसी लाइसेंस परीक्षाओं में मंजूरी की गारंटी भी दे सकते हैं।

कजाकिस्तान की कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी

कजाकिस्तान में एमबीबीएस के लिए कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी एकमात्र ऐसी यूनिवर्सिटी है, जो भारतीय छात्रों के लिए एकीकृत NExT बैच के कारण भारत में लाइसेंस के लिए गारंटी प्रदान करता है। वर्तमान समय में इस यूनिवर्सिटी में करीब 1,000 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं यहां पर NExT में 100% उत्तीर्ण अनुपात के साथ ही सफलता की वजह एमबीबीएस कोर्स में एकीकृत 6 साल की NExT कोचिंग है। यह यूनिवर्सिटी पहले साल से ही छात्रों को NExT की तैयारी करवाना शुरू कर देती है। वहीं हर सेमेस्टर के आधार पर विश्वविद्यालय द्वारा उनका मूल्यांकन किया जाता है। यूनिवर्सिटी में पहले 150 स्टूडेंट्स को 100% स्कॉलरशिप के साथ यह पाठ्यक्रम प्रदान किया जाता है।

बता दें कि अगर आपका नीट स्कोर 500 से कम है, और एमबीबीएस कोर्स का बजट 40 लाख से रुपए से कम है। तो आपको प्लान बी के तहत विदेश से एमबीबीएस करना चाहिए। वरना आप NEET में फिर से एग्जाम देकर अपना एक साल और बर्बाद करेंगे।

आपको किसी ऐसे एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं लेना चाहिए, जो NExT/USMLE जैसी लाइसेंसी परीक्षाओं के लिए छात्रों को न तैयार करता हो। क्योंकि बिना लाइसेंस के भारत में डॉक्टर बनने की संभावना बेहद कम है। अगर आप न्यूरोलॉजिस्ट, त्वचा रोग विशेषज्ञ या हृदय रोग विशेषज्ञ आदि बनना चाहते हैं, तो आपको शुरूआत से ही USMLE की तैयारी करनी चाहिए।

वर्तमान समय में देखा जाए तो कजाकिस्तान में एमबीबीएस करना सबसे अच्छा और सबसे सस्ता विकल्प है। आप कजाकिस्तान के शीर्ष रैंक वाले सरकारी कॉलेज कोक्शेताउ स्टेट यूनिवर्सिटी में इंटीग्रेटेड एनईएक्सटी प्रोग्राम में एडमिशन ले सकते हैं। यहां पर आप NExT की भी तैयारी कर लेंगे। भारत से पहले 150 आवेदकों को इस यूनिवर्सिटी में NExT कोचिंग निःशुल्क यानी की फ्री में कराई जाती है। वहीं अगर आपका बजट अधिक यानी की 45 लाख रुपए के आसपास है। तो आप जॉर्जिया में एमबीबीएस, संयुक्त राज्य अमेरिका में पीजी के लिए जॉर्जिया विश्वविद्यालय में एकीकृत अमेरिकी कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं।



जबरदस्त करियर का नया रास्ता, मैनेजमेंट में करें पीएचडी

प्रबंधन यानी मैनेजमेंट में पीएचडी छात्रों के बीच लोकप्रिय ऑप्शन है। यह एक प्रतिष्ठित डिग्री आपका प्रोफेशनल प्रोफाइल बेहतर बनाती है। इंडस्ट्री और शिक्षा क्षेत्र में लीडरशिप रोल के लिए इसमें कई बेहतर मौके मौजूद हैं। अगर करियर में सुधार चाहते हैं तो यह डिग्री आपके लिए सही हो सकती है। बिजनेस और मैनेजमेंट की दुनिया में आजकल ज्यादा पढ़ाई करना जरूरी है। बहुत सारे स्टूडेंट्स मैनेजमेंट में पीएचडी करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यह कोर्स अपने क्षेत्र के बारे में गहरी जानकारी देता है। अगर आप ऐसे में भविष्य में कामयाब होना चाहते हैं, तो मैनेजमेंट पीएचडी करना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। मैनेजमेंट में पीएचडी करने के बाद आपके पास बहुत सारे अच्छे जॉब के मौके होंगे। मैनेजमेंट पीएचडी करके छात्र अपनी यूनिवर्सिटी में लेक्चरर, पॉलिसी एनालिस्ट, स्ट्रेटेजिक मैनेजर, मार्केट रिसर्च एनालिस्ट, मैनेजमेंट कंसल्टेंट, चीफ एक्जीक्यूटिव, ऑफिसर, क्वांटिटेटिव एनालिस्ट और बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर जैसे पदों पर काम कर सकते हैं। यह डिग्री आपको पढ़ाने और नौकरी, दोनों ही क्षेत्रों में काम करने का मौका देती है और जॉब की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। मैनेजमेंट पीएचडी कोर्स पूरी दुनिया में मान्य है और आप बड़ी-बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने के लिए योग्य बन जाते हैं। इस कोर्स से आप एक अच्छे विचारक, समस्याओं का हल निकालने वाले, बेहतर निर्णय लेने वाले और कुशल योजनाकार बनते हैं। इसके साथ आप मैनेजमेंट, काम सौंपने, बातचीत करने और मुश्किल व्यावसायिक परिस्थितियों को संभालने में भी माहिर बनते हैं।

बढ़ रही है मैनेजमेंट में पीएचडी की मांग

दुनियाभर में उथल-पुथल के बाद दुनिया ने ऐसे लीडर्स की जरूरत महसूस की जो मुश्किल समय में भी सही फैसले ले सकें। मैनेजमेंट में पीएचडी से न सिर्फ छात्र, बल्कि उन कंपनियों को भी फायदा मिलता है जिन्हें अनिश्चित समय में नेतृत्व करने वाले कर्मचारियों की जरूरत है और नए जमाने की प्रतिभा रणनीतियों को लागू कर सकें।

शोध और नवाचार

पीएचडी प्रोग्राम शोध और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। स्टूडेंट्स को नए विचारों पर काम करने, नई रणनीतियां बनाने के साथ मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपने ज्ञान का योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। आज के समय की व्यावसायिक चुनौतियों का सामना करने और प्रगति करने के लिए रिसर्च करना बहुत जरूरी है।

शैक्षणिक संस्थानों और इंडस्ट्री के बीच सहयोग

ज्यादातर मैनेजमेंट पीएचडी प्रोग्राम शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग पर जोर देते हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों को प्रैक्टिकल जानकारी और असल दुनिया का अनुभव दोनों मिलें, जिससे उनकी रिसर्च प्रासंगिक और प्रभावशाली बने। इससे थ्योरी ज्ञान और प्रैक्टिकल उपयोग के बीच की खाई को पाटने में भी मदद मिलती है।

क्या पीएचडी करना आपके लिए सही है?

पीएचडी में दाखिला लेने से पहले, यह सोचने की जरूरत है कि क्या यह आपके करियर के लक्ष्यों के हिसाब से सही है। पीएचडी प्रोग्राम काफी कठिनाई भरे हो सकते हैं। इसके लिए पूरी लगन और रिसर्च के प्रति जुनून की जरूरत होती है। अगर आप हमेशा खुद को बेहतर बनाते रहने और करियर को आगे बढ़ाने में यकीन करते हैं, तो मैनेजमेंट में पीएचडी आपके लिए सटीक कदम है। मैनेजमेंट में पीएचडी धीरे-धीरे छात्रों के बीच लोकप्रिय हुआ है। यह प्रतिष्ठित डिग्री आपके प्रोफेशनल प्रोफाइल को बेहतर बनाती है। आज के समय में, जब कंपनियां अच्छी तरह से प्रशिक्षित लोगों की तलाश कर रही हैं, तब यह डिग्री अच्छी नौकरियां व करियर में तरक्की दिलाने में सक्षम है।



नई टेक्नोलॉजी के आने से तेजी से विकसित हुई है भारत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री

भारत में टेक्सटाइल इंडस्ट्री ने देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। भारत में पहले सिर्फ फैब्रिक प्रोडक्शन किया जाता था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी के आने से यह तेजी से विकसित हुई है।

किसी भी देश व सभ्यता के विकास में टेक्सटाइल इंडस्ट्री का बहुत बड़ा योगदान होता है। भारत में भी यह इंडस्ट्री देश की नींव रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है, इसे देश के सबसे पुराने इंडस्ट्री में से एक माना जाता है। भारत में पहले सिर्फ फैब्रिक प्रोडक्शन किया जाता था, लेकिन अब नई टेक्नोलॉजी के आने से यह तेजी से विकसित हुई है। अब यह इंडस्ट्री रिसर्च, डेवलपमेंट, मेन्युफैक्चरिंग और मर्केंडाइजिंग जैसी कई श्रेणियों में काम कर रही है। जिसके कारण इसमें जॉब के अवसर भी पहले की अपेक्षा अब तेजी से बढ़ रहे हैं। टेक्सटाइल सेक्टर में रंग, वस्त्र फाइबर, मशीनरी और उत्पाद, कपड़ा और परिधान प्रक्रियाओं को डिजाइन और नियंत्रित करने की प्रक्रिया शामिल है। जिसमें फैशनेबल कपड़ों की मांग को ध्यान में रखते हुए, बहुत ज्यादा रिसर्च, क्रिएटिविटी और इनोवेशन की जरूरत होती है। इसमें टेक्सटाइल इंजीनियरिंग की यह शाखा उन सिद्धांतों का भी अध्ययन करती है जो कपड़ा फाइबर के निर्माण में पॉलिमर का विश्लेषण करते हैं। जिनका उपयोग सभी प्रकार के यार्न और टेक्सटाइल कपड़ों के निर्माण में किया जाता है। कपड़ा इंजीनियरिंग में, कपड़े को आकर्षक और फैशनेबल बनाने पर जोर दिया जाता है। इसके लिए टेक्सटाइल इंजीनियर को काफी रिसर्च और एक्सपेरिमेंट करना पड़ता है। टेक्सटाइल इंजीनियर को नवाचार, अनुसंधान और रचनात्मकता जैसे कौशल की आवश्यकता होती है।

किस तरह का कोर्स करें

अगर आप टेक्सटाइल इंडस्ट्री में करियर बनाना चाहते हैं तो आपको 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स या बायोलॉजी जैसे विषय में पढ़ाई करनी होगी। इसके बाद टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में बीई या बीटेक, टेक्सटाइल डिजाइनिंग में बीए, टेक्सटाइल डिजाइन में बीएससी, बैचलर ऑफ डिजाइन, डिप्लोमा इन टेक्सटाइल मेन्युफैक्चर या टेक्सटाइल केमिस्ट्री में बीटेक कर सकते हैं। वहीं आप इन कोर्सेज में एडवांस्ड डिप्लोमा, एमईए एमटेक और उसके बाद पीएचडी भी कर सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल क्या है

टेक्सटाइल इंडस्ट्री में आप कई जॉब प्रोफाइल पर रहकर कार्य कर सकते हैं। जिसमें मुख्य रूप से प्रोडक्शन कंट्रोल, प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंजीनियरिंग प्रोसेस, सेल्स, कॉर्पोरेट मैनेजमेंट, सुपरविजन आदि डिपार्टमेंट्स में काम कर सकते हैं। एक टेक्सटाइल इंजीनियर आम तौर पर इंजीनियरिंग प्रोसेस से जुड़ा होता है, जबकि अपैरल और गारमेंट्स की डिजाइनिंग और मेन्युफैक्चरिंग के लिए काम करने वाले प्रोफेशनल्स प्रोडक्ट रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिपार्टमेंट में काम करते हैं। अगर आप इस फील्ड में जाना चाहते हैं तो आपके अंदर कई स्किल का होना जरूरी है। जिसमें मुख्य रूप से कम्युनिकेशन स्किल्स, कम्प्यूटर स्किल्स, एनालिटिकल स्किल्स और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स होनी जरूरी हैं। इसके अलावा उनमें चीजों की बारीकियों पर ध्यान देने की क्षमता, लॉजिकल थिंकिंग और क्रिएटिविटी होनी भी जरूरी है।

करियर की संभावनाएं

इस क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं है। कोर्स पूरा होने के बाद आप टेक्सटाइल मिल्स, एक्सपोर्ट हाउसेज, निटवेयर मेन्युफैकचरिंग यूनिट्स, टेक्सटाइल डाइंग एंड प्रिंटिंग यूनिट्स में काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप सरकार द्वारा प्रायोजित अथवा निजी सिल्क, हैंडलूम, जूट, खादी, क्राफ्ट डेवलपमेंट संस्थानों में काम कर सकते हैं। आप फैशन रीटेलर्स डिजाइन स्टूडियोज और बड़ी टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज जैसे में भी काम कर सकते हैं।

सैलरी

टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा व डिग्री के बाद आप फ्रेशर के तौर पर अगर आप नौकरी करना चाहते हैं तो 30 से 45 हजार रूपये का शुरुआती वेतन आसानी से मिल जाता है। अनुभव के बाद, आप प्रति माह 50 हजार से एक लाख तक कमा सकते हैं। अगर आपने आईआईटी से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है, तो आपको शुरुआती वेतन काफी आकर्षक लग सकता है।

न्यूज डायरी

सुशासन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को मिलेगा सम्मान, 51 हजार रुपये तक की नकद राशि

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार ने सरकारी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, नवाचार और बेहतर प्रशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026 (हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026) अधिसूचित की है। इस योजना के तहत असाधारण एवं नवाचारपूर्ण कार्य करने वाले सरकारी अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

एक सरकारी प्रवक्ता ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026 के तहत नकद पुरस्कार, ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए जाएंगे। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 नवंबर, 2026 निर्धारित की गई है। हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026 के तहत राज्य स्तर पर दो श्रेणियों में पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें राज्य फ्लैगशिप पुरस्कार और राज्य पुरस्कार शामिल हैं। दोनों श्रेणियों में अधिकतम पांच-पांच पुरस्कार प्रदान किए जा सकेंगे।

प्रवक्ता ने बताया कि इस योजना का लाभ हरियाणा सरकार के विभागों, बोर्डों, निगमों, वैधानिक प्राधिकरणों, मिशन, समितियों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों और सरकार के स्वामित्व एवं नियंत्रण वाले सार्वजनिक उपक्रमों के पात्र कर्मचारियों को मिलेगा। इसमें ग्रुप-ए, बी, सी और डी के कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा, अधिसूचना में निर्धारित विभिन्न माध्यमों से नियुक्त संविदात्मक कर्मचारियों को भी पात्रता दी गई है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा सुशासन पुरस्कार योजना 2026 के तहत पुरस्कारों के लिए कर्मचारियों के प्रदर्शन की मूल्यांकन अवधि 1 जनवरी, 2025 से 30 अक्तूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस अवधि के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों, नवाचारों और योजनाओं के प्रभाव के आधार पर आवेदनों पर विचार किया जाएगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 25 नवंबर, 2026 निर्धारित की गई है। राज्य स्तर और जिला स्तर के पुरस्कारों के लिए विजेताओं का चयन अधिमानत 15 दिसंबर, 2026 तक पूरा किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि पुरस्कार के लिए आवेदन ऑनलाइन पोर्टल haryanagoodgovernanceawards.haryana.gov.in के माध्यम से ही कर सकेंगे। आवेदन संबंधित कार्यालयाध्यक्ष या विभागाध्यक्ष के माध्यम से विस्तृत टिप्पणी के साथ संबंधित प्रशासनिक सचिव को भेजे जाएंगे।

सेक्टर-8 बूथ मार्केट सफाई मामला: नगर निगम ने तुरंत संज्ञान लिया, सफाईकर्मियों की टीम भेजकर पूरा इलाका साफ करवाया



हिन्द जनपथ



पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला सेक्टर-8 बूथ मार्केट में सालों से सफाई न होने और कागजों पर सैलरी-भुगतान बांटे जाने संबंधी शिकायतों के सामने आने के बाद नगर निगम पंचकूला ने तुरंत संज्ञान लिया है। शिकायत के प्रकाश में आने के कुछ ही समय बाद निगम प्रशासन ने सफाईकर्मियों की विशेष टीम मौके पर भेजकर पूरे क्षेत्र की सफाई करवा दी।

क्या कार्रवाई हुई?

नगर निगम अधिकारियों के निर्देश पर सेक्टर-8 बूथ मार्केट और उसके आसपास के इलाके में सफाईकर्मियों की टीम तैनात की गई। टीम ने:

मार्केट के अंदर और बाहर जमा कचरा हटाया

सड़कों की सफाई की

लंबे समय से जमा गंदगी को साफ किया

स्थानीय व्यापारियों के अनुसार, कई दिनों से सफाई न होने के कारण मार्केट में फैली गंदगी अब काफी हद तक साफ हो गई है। व्यापारियों ने निगम की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

व्यापारियों की प्रतिक्रिया

मार्केट एसोसिएशन से जुड़े सदस्यों ने कहा कि शिकायत के बाद निगम ने संज्ञान लेकर तुरंत टीम भेज दी, जिससे उम्मीद जगी है कि अब नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने मांग की है कि केवल एक बार की सफाई न हो, बल्कि स्थायी व्यवस्था बनाई

आगे की कार्रवाई

नगर निगम सूत्रों के अनुसार, इस मामले में सफाई व्यवस्था की निगरानी बढ़ाई गई है। अधिकारियों ने कहा है कि मार्केट में नियमित सफाई सुनिश्चित की जाएगी। कागजों पर सैलरी-भुगतान संबंधी आरोपों की जांच भी करवाई जा सकती है।

सेक्टर-8 बूथ मार्केट के व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने निगम की इस त्वरित कार्रवाई का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि अब क्षेत्र की सफाई व्यवस्था सुधर जाएगी।

सेक्टर-8 बूथ मार्केट में रिलायंस सुपरमार्केट के साथ बना सार्वजनिक शौचालय बदहाल, महिलाओं को हो रही परेशानी

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। पंचकूला सेक्टर-8 बूथ मार्केट में रिलायंस सुपरमार्केट के पास बने सार्वजनिक शौचालय की हालत बेहद खराब हो गई है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का आरोप है कि शौचालय में नल तक नहीं हैं, दरवाजों के पल्ले टूटे पड़े हैं और छत इतनी जर्जर हो चुकी है कि किसी भी समय दुर्घटना हो सकती है। इस स्थिति से विशेषकर महिलाओं को भारी असुविधा हो रही है।

क्या है शिकायत?

स्थानीय नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता जगदीप शर्मा ने नगर निगम आयुक्त को शिकायत पत्र लिखकर मामले की जानकारी दी है। शिकायत में बताया गया है कि:

शौचालय में पानी के नल उपलब्ध नहीं हैं।

कई दरवाजों के पल्ले टूटे हुए हैं और कुछ दरवाजे पूरी तरह बंद भी नहीं होते। छत अत्यंत जर्जर अवस्था में है, जिससे गिरने का खतरा बना हुआ है। नियमित सफाई और रखरखाव की कोई व्यवस्था नहीं दिखती। शिकायतकर्ता का कहना है कि सार्वजनिक शौचालय आम नागरिकों, खासकर महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा से जुड़ा विषय है। इतनी बदहाल स्थिति में इसे खुला रखना जोखिम भरा है।

शिकायत पत्र में नगर निगम से निम्नलिखित मांगें की गई हैं:

शौचालय का तत्काल निरीक्षण करवाया जाए।

जर्जर छत की तकनीकी जांच करवाई जाए और जरूरत पड़ने पर पुनर्निर्माण किया जाए।

शौचालय को आधुनिक, स्वच्छ और व्यवस्थित रूप में दोबारा तैयार करवाया जाए। नल, पानी की व्यवस्था और टूटे दरवाजे तुरंत दुरुस्त किए जाएं। नियमित सफाई और देखरेख के लिए स्थायी कर्मचारी नियुक्त किया जाए। समय-समय पर अधिकारियों द्वारा निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

शिकायतकर्ता ने विशेष रूप से अनुरोध किया है कि अगर छत गिरने जैसी हालत में है तो सुरक्षा निरीक्षण के बाद अस्थायी रूप से शौचालय बंद करवाया जाए, ताकि कोई दुर्घटना न हो।

समरसता संकल्प यात्रा का चौथा चरण 18 नवंबर से, हरियाणा के आठ जिलों से गुजरेगी यात्रा : डॉ. अर्चना गुप्ता

25, 26 और 28 नवंबर को हरियाणा में रहेगी यात्रा, कुरुक्षेत्र में विशाल धर्मसभा, सोनीपत और फरीदाबाद में होंगे जिला स्तरीय कार्यक्रम



हिन्द जनपथ

कुरुक्षेत्र(ब्यूरो)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के चौथे चरण का शुभारंभ 18 नवंबर से होगा। इसके अंतर्गत जालंधर से काशी तक निकाली जाने वाली समरसता संकल्प यात्रा 25, 26 और 28 नवंबर को हरियाणा के आठ जिलों से गुजरेगी। यात्रा के दौरान कुरुक्षेत्र में विशाल धर्मसभा तथा सोनीपत और फरीदाबाद में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यात्रा में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ संतों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों और आम नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

शुक्रवार को कुरुक्षेत्र स्थित भाजपा जिला कार्यालय गीता कमल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता की अध्यक्षता में समरसता संकल्प यात्रा की तैयारियों को लेकर राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्णलाल पंवार, विपुल गोयल और कृष्ण बेदी, प्रदेश महामंत्री संगठन पवन राणा, प्रदेश महामंत्री सत्यप्रकाश जरावता और गोपाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गुर्जर तथा पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल सहित दस जिलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भाग लिया।

लगभग दो घंटे चली इस कार्यशाला में यात्रा मार्ग से जुड़े जिलों के जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ यात्रा के स्वागत, जनसभाओं, सामाजिक सहभागिता, प्रचार-प्रसार तथा अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से मंथन किया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती वर्ष को समरसता संकल्प अभियान के रूप में मना रही है। इसी क्रम में 18 नवंबर को डेरा सचखंड बल्लां, जालंधर से समरसता संकल्प यात्रा प्रारंभ होगी। यह 18 दिवसीय यात्रा लगभग 2558 किलोमीटर का सफर तय करते हुए गुरु रविदास महाराज की जन्मस्थली सीर गोवर्धनपुर, काशी में संपन्न होगी।

उन्होंने बताया कि पंजाब, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से गुजरने वाली इस यात्रा के दौरान 19 बड़ी धर्मसभाएं तथा 28 जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विभिन्न स्थानों पर संतों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक संस्थाओं और समाज के प्रबुद्धजनों को आमंत्रित किया जाएगा। यात्रा का उद्देश्य गुरु रविदास महाराज के सामाजिक समरसता, समानता, बंधुत्व और मानव कल्याण के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने बताया कि समरसता संकल्प यात्रा 25 नवंबर को सहारनपुर से यमुनानगर के रास्ते हरियाणा में प्रवेश करेगी। इसके बाद यात्रा अंबाला होते हुए कुरुक्षेत्र पहुंचेगी, जहां शाम चार बजे विशाल धर्मसभा का आयोजन किया जाएगा। धर्मसभा को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी संबोधित करेंगे। हरियाणा की सीमा पर लगभग 500 मोटरसाइकिलों के साथ यात्रा के स्वागत की तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि 26 नवंबर को यात्रा कुरुक्षेत्र से करनाल, पानीपत और सोनीपत होते हुए मेरठ की ओर प्रस्थान करेगी।

शरीर की शुद्धि और स्वास्थ्य संतुलन का आयुर्वेदिक मंत्र देगा एनआईए

हिन्द जनपथ

पंचकूला (ब्यूरो)। बदलती जीवनशैली और खानपान की अनियमितता के कारण स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां बढ़ रही हैं। ऐसे में शरीर के आंतरिक संतुलन और मौसमी स्वास्थ्य संरक्षण के लिए राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), पंचकूला की ओर से एक माह के विशेष शारदीय विरेचन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। पंचकर्म विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर का उद्देश्य आमजन को पंचकर्म चिकित्सा की उपयोगिता और विरेचन कर्म के पारंपरिक महत्व के प्रति जागरूक करना है।



आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में संस्थान के कुलपति प्रोफेसर डॉ. संजीव शर्मा एवं डीन प्रोफेसर गुलाब चंद पमनानी के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर के माध्यम से 'अपने शरीर को शुद्ध करें... स्वस्थ जीवन अपनाएं' का संदेश दिया जाएगा।

पंचकर्म विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर प्रतिभा सीके ने बताया कि शिविर 16 नवंबर से 15 दिसंबर तक आयोजित होगा। विरेचन आयुर्वेद की प्रमुख पंचकर्म शोधन प्रक्रियाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य शरीर में पित्त दोष का संतुलन बनाए रखना है। पित्त दोष के असंतुलन से अम्लपित्त (एसिडिटी), पाचन संबंधी समस्याएं, मुंहासे एवं अन्य त्वचा विकार, शरीर में जलन तथा कुछ यकृत एवं पित्त संबंधी विकार जैसी समस्याएं जुड़ी हो सकती हैं। ऐसी समस्याओं से ग्रस्त व्यक्ति चिकित्सकीय परामर्श के लिए संस्थान में संपर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, स्वस्थ व्यक्ति भी ऋतु परिवर्तन के दौरान मौसमी शोधन एवं स्वास्थ्य संरक्षण के उद्देश्य से शिविर का लाभ उठा सकते हैं। विरेचन प्रक्रिया व्यक्ति की प्रकृति, आयु एवं स्वास्थ्य स्थिति के आकलन के बाद विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह से ही की जाएगी। शिविर के दौरान आईपीडी फार्मेसी की ओर से पहले 15 पंजीकृत मरीजों को निःशुल्क औषधीय घृत वितरित किया जाएगा।

किसानों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों से होते हैं कई महत्वपूर्ण और व्यावहारिक लाभ

23 नवंबर से मुनीमपुर में होगा 'उन्नत तकनीकों द्वारा फूलों की खेती पर प्रशिक्षण' कार्यक्रम

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार द्वारा समय -समय पर किसानों को कई महत्वपूर्ण और व्यावहारिक लाभ देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते हैं। इसी कड़ी में उद्यान विभाग के अंतर्गत आने वाले पुष्प एवं बीज उत्पादन तकनीकी उत्कृष्टता केन्द्र, मुनीमपुर (झज्जर) द्वारा किसानों के लिए एक विशेष पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 23 नवंबर 2026 से 27 नवंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जिसका मुख्य विषय 'उन्नत तकनीकों द्वारा फूलों की खेती पर प्रशिक्षण' है।

उक्त जानकारी देते हुए एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 10 किसानों को शामिल किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक किसानों को बागवानी विभाग, हरियाणा की आधिकारिक वेबसाइट http://kaushal.hortharyana.gov.in पर ऑनलाइन नामांकन करना होगा। ऑनलाइन पंजीकरण करने वाले पहले 10 किसानों को ही इस प्रशिक्षण में प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 नवंबर 2026 को शाम 03:00 बजे तक निर्धारित की गई है, और चयनित किसानों के नाम उसी दिन यानी 20 नवंबर 2026 को शाम 03:30 बजे वेबसाइट पर अपलोड कर दिए जाएंगे।

प्रवक्ता ने स्पष्ट किया है कि इस प्रशिक्षण के लिए प्रार्थी का हरियाणा राज्य का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है तथा उसकी न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 60 वर्ष होनी चाहिए. इसके अलावा, एक परिवार पहचान पत्र से केवल एक ही सदस्य आवेदन कर सकता है। चयनित किसानों को प्रशिक्षण के दौरान अपने साथ आधार कार्ड और परिवार पहचान पत्र की फोटोकॉपी लेकर आनी होगी। उन्होंने आगे बताया कि प्रशिक्षण अवधि के दौरान किसानों के लिए भोजन की व्यवस्था कार्यालय द्वारा की जाएगी, परंतु केंद्र पर रात्रि ठहराव की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। किसानों को इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से कई महत्वपूर्ण और व्यावहारिक लाभ मिलते हैं, जो उनकी खेती के तरीके और आमदनी को पूरी तरह बदल सकते हैं।

30 साल में सरकारी स्कूलों की बदली तस्वीर, अब 94 प्रतिशत तक पहुंचा परीक्षा परिणाम- शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के स्तर को लेकर बनी धारणा अब बदल रही है। वर्ष 2013-14 में सरकारी स्कूलों का परीक्षा परिणाम 32 से 38 प्रतिशत तक रहता था, जो अब बढ़कर 90 से 94 प्रतिशत तक पहुंच गया है। करीब 30 साल बाद सरकारी स्कूलों के प्रति लोगों का नजरिया बदलने लगा है।



मंत्री शुक्रवार को गन्नौर (सोनीपत) के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित एनुअल एजुकेशनल फेस्ट में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता लगातार बेहतर हो रही है। अब यह धारणा टूट रही है कि सरकारी स्कूलों में अच्छी पढ़ाई नहीं होती।

उन्होंने कहा कि आज देश और प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में जो क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है, उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व को जाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने सदियों पुरानी पारंपरिक और रट्टामार शिक्षा पद्धति को बदलकर एक ऐसी व्यवस्था को जन्म दिया है, जो विद्यार्थी की आंतरिक क्षमताओं को उभारती है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 'स्किल इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसे अभियानों ने हमारे युवाओं को जॉब सीकर से बदलकर जॉब क्रिएटर बनने की प्रेरणा दी है। आज देश का युवा तकनीकी रूप से सक्षम हो रहा है, और भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ-साथ आधुनिक विज्ञान की ओर कदम बढ़ा रहा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार शिक्षा और युवाओं के उत्थान के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

हरियाणा विधानसभा का सत्र 26 नवंबर को

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा विधानसभा का सत्र 26 नवंबर, 2026 (वीरवार) को प्रातः 11:00 बजे हरियाणा विधानसभा भवन, चंडीगढ़ में आयोजित किया जाएगा।

विधानसभा सचिवालय द्वारा इस संबंध में एक पत्र जारी किया गया है।

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सुधीर राजपाल 30 नवंबर तक इस्तेमाल कर सकेंगे प्रशासनिक सचिव के अधिकार

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी श्री सुधीर राजपाल अब 30 नवंबर, 2026 तक प्रशासनिक सचिव के रूप में अपनी शक्तियों का इस्तेमाल कर सकेंगे। श्री सुधीर राजपाल वर्तमान में गृह, जेल, आपराधिक जांच एवं न्याय प्रशासन विभाग, पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव विभाग तथा वित्त एवं योजना विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उन्हें 26 मई, 2022 और 14 अक्टूबर, 2026 को जारी सरकारी निर्देशों से छूट प्रदान की गई है। इसके तहत वे अपनी सेवानिवृत्ति की तिथि अर्थात 30 नवंबर, 2026 तक प्रशासनिक सचिव के रूप में निहित सभी शक्तियों का प्रयोग कर सकेंगे।

इस बार पंजाब में चुटकुलों वाली नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी की विकास वाली सरकार बनाएंगे- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि फरवरी में होने वाले पंजाब के विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनने के बाद यहां के नशा कारोबारी या तो यह काम छोड़ देंगे या फिर प्रदेश छोड़ देंगे। पंजाब और हरियाणा में नशे के सौदागर नहीं रहने दिए जाएंगे। पंजाब के लोगों ने मन बना लिया है कि इस बार पंजाब में चुटकुलों वाली नहीं बल्कि नरेंद्र मोदी की विकास वाली सरकार बनाएंगे।



मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने यह बात शुक्रवार को पंजाब के जालंधर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने वादा किया था कि छह महीने में नशा खत्म कर दिया जाएगा लेकिन यहां हर दिन नशे की दलदल बढ़ती गई जिसमें यहां की युवा पीढ़ी धंसती चली गई लेकिन सरकार के पास नशा खत्म करने के लिए न तो कोई नीति है और न ही नीयत है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने 2029 तक देश से नशे को जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है जिसे पूरा करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत नीति बनाई जा रही है। इस प्रकार के बड़े संकल्पों को केवल भाजपा सरकार ही पूरा कर सकती है। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस केवल झूठे वादों के सहारे वोट लेना ही जानती हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पिछले चुनाव में वादा किया था कि पंजाब के 25 लाख युवाओं को नौकरी देंगे लेकिन आज मुख्यमंत्री टेलीविजन पर गर्व से बताते हैं कि उन्होंने अपने कार्यकाल में 60 हजार नौकरियां दी हैं। यह नौकरियां भी प्रभावशाली लोगों के बच्चों को भ्रष्टाचार के सहारे मिली है जिससे मेहनती व गरीब युवाओं के सपनों को सरकार ने रौंद दिया है।

शिवालिक एन्क्लेव में भाजपा की बैठक, नीतिका गुप्ता को वार्ड-6 से टिकट देने की उठी मांग

मनीमाजरा। वार्ड नंबर-6 स्थित शिवालिक एन्क्लेव में भाजपा जिला संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में चंडीगढ़ भाजपा के जिला महामंत्री राजेश सिंगला और मंडल-6 के प्रधान राजीव ढींगरा विशेष रूप से मौजूद रहे। इस दौरान स्थानीय समस्याओं, संगठन की मजबूती और आगामी नगर निगम चुनावों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

मांग पत्र सौंपा- बैठक में शिवालिक एन्क्लेव वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान जगदीप शर्मा, उपप्रधान आर.के. भल्ला, महासचिव वीरेंद्र गुप्ता और वित्त सचिव संजय गुप्ता सहित क्षेत्र के गणमान्य निवासी शामिल हुए। स्थानीय लोगों ने भाजपा पदाधिकारियों के समक्ष क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं रखीं और उनके समाधान की मांग की।



इस दौरान वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से भाजपा संगठन को एक मांग पत्र सौंपकर स्वर्गीय देशराज गुप्ता के परिवार की सदस्य नीतिका गुप्ता को वार्ड नंबर-6 से भाजपा उम्मीदवार बनाए जाने की मांग उठाई गई। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि स्वर्गीय देशराज गुप्ता वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद रह चुके हैं। उनका परिवार पिछले 40 वर्षों से एनएससी शिवालिक एन्क्लेव में रह रहा है।

नीतिका गुप्ता का परिचय

नीतिका गुप्ता भाजपा की सक्रिय सदस्य हैं और वर्ष 2021 में वार्ड नंबर-5 से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ चुकी हैं। पदाधिकारियों ने कहा कि नीतिका गुप्ता का सामाजिक व्यवहार, लोगों के सुख-दुख में शामिल होने और सभी को साथ लेकर चलने की कार्यशैली क्षेत्र में उनकी पहचान है। उनके पति विकास गुप्ता भी समाजसेवी एवं व्यवसायी हैं।

समर्थन का भरोसा

एसोसिएशन के सदस्यों ने परिवार के सामाजिक जुड़ाव पर विश्वास जताते हुए पार्टी संगठन से नीतिका गुप्ता के नाम पर विचार करने की मांग की। एसोसिएशन के प्रधान जगदीप शर्मा ने कहा कि उन्हें और क्षेत्र के निवासियों को इस परिवार पर पूरा भरोसा है। यदि भाजपा संगठन नीतिका गुप्ता को उम्मीदवार बनाता है तो एसोसिएशन के सदस्य एकजुट होकर उनका समर्थन करेंगे।

बैठक में यह भी बताया गया कि शिवालिक एन्क्लेव वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से चंडीगढ़ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा के नाम भी मांग पत्र सौंपा गया है। इस अवसर पर शिवालिक एन्क्लेव वेलफेयर एसोसिएशन के जनसंपर्क अधिकारी एवं चंडीगढ़ भाजपा लीगल सेल की राज्य कार्यकारिणी के सदस्य एडवोकेट अमित ऋषि, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व जिला अध्यक्ष महेश गुप्ता तथा भाजपा मनीमाजरा के पूर्वमंडल प्रधान घनश्याम बंसल सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला: विकास और विरासत के रंग में रंगा हरियाणा पवेलियन

चंडीगढ़– नई दिल्ली के भारत मंडपम में 14 से 27 नवंबर तक चल रहे भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ)-2026 में हरियाणा पवेलियन विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगा। विकास और विरासत के थीम पर सजाए गए हरियाणा पवेलियन में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विकास यात्रा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

पवेलियन में हरियाणा की संस्कृति के साथ-साथ प्रदेश में तेजी से हो रहे विकास की झलक देखने को मिलेगी। पवेलियन के भीतर एक विशाल खुले आंगन के चारों ओर प्रदर्शनी क्षेत्र विकसित किया गया है। पवेलियन की विशेष पहचान पारंपरिक हरियाणवी चौपाल है। ग्रामीण परिवेश में बनी इस चौपाल में गांव की झलक देखने को मिलेगी, जो प्रदेश की सामाजिक मेलजोल, सामूहिक भागीदारी और आपसी भाईचारे की परंपरा को दर्शाती है तथा आगंतुकों को हरियाणा के ग्रामीण जीवन और सांस्कृतिक मूल्यों की झलक देती है। ट्रेड फेयर अथारिटी आफ हरियाणा के सीनियर मैनेजर अनिल कुमार चौधरी ने बताया कि तकनीक को पवेलियन की प्रस्तुति का अभिन्न हिस्सा बनाया गया है। डिजिटल स्क्रोलर और एलईडी दीवारों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में प्रदेश की उपलब्धियों और प्रगति को दर्शाया जा रहा है। कायनेटिक इन्फॉर्मेशन वॉल हरियाणा की विकास गाथा को गतिशील दृश्य रूप में प्रस्तुत करती है।

वैज्ञानिक पुलिसिंग में हरियाणा पुलिस की बड़ी उपलब्धि: नेफिस और एमसीयू से अपराधियों की पहचान को मिली नई ताकत, अंतरराज्यीय अपराधों के खुलासे में तकनीक बनी मजबूत हथियार

जगदीश, हिन्द जनपथ

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अपराध की बदलती प्रकृति के बीच वैज्ञानिक साक्ष्य और आधुनिक तकनीक प्रभावी पुलिसिंग की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रहे हैं। इसी दिशा में हरियाणा पुलिस ने नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (नेफिस) और मेजरमेंट कलेक्शन यूनिट (एमसीयू) के प्रभावी उपयोग से अपराध अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इन आधुनिक प्रणालियों के माध्यम से न केवल अपराधियों की पहचान और उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड का पता लगाया जा रहा है, बल्कि विभिन्न राज्यों में सक्रिय अपराधियों को आपराधिक घटनाओं से जोड़ने और गंभीर मामलों की गुत्थियां सुलझाने में भी महत्वपूर्ण सफलता मिल रही है।

प्रदेश में 100 आधुनिक वर्कस्टेशन स्थापित, जांच को मिला तकनीकी आधार

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक श्री अजय सिंघल ने बताया कि हरियाणा पुलिस ने वैज्ञानिक अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए प्रदेश के विभिन्न जिलों, उपमंडलों और विशेष इकाइयों में 69 नेफिस तथा 31 एमसीयू वर्कस्टेशन स्थापित किए हैं। इन वर्कस्टेशन के माध्यम से फिंगरप्रिंट और अपराधियों की पहचान से संबंधित डिजिटल जानकारी तक शीघ्र पहुंच सुनिश्चित की गई है। इससे जांच अधिकारियों को अपराधियों की पहचान, आपराधिक इतिहास के



सत्यापन और मामलों के आपसी संबंध स्थापित करने में तकनीकी सहायता मिल रही है।

नेफिस डेटाबेस में 72,172 फिंगरप्रिंट शामिल, 23,154 का सफल मिलान

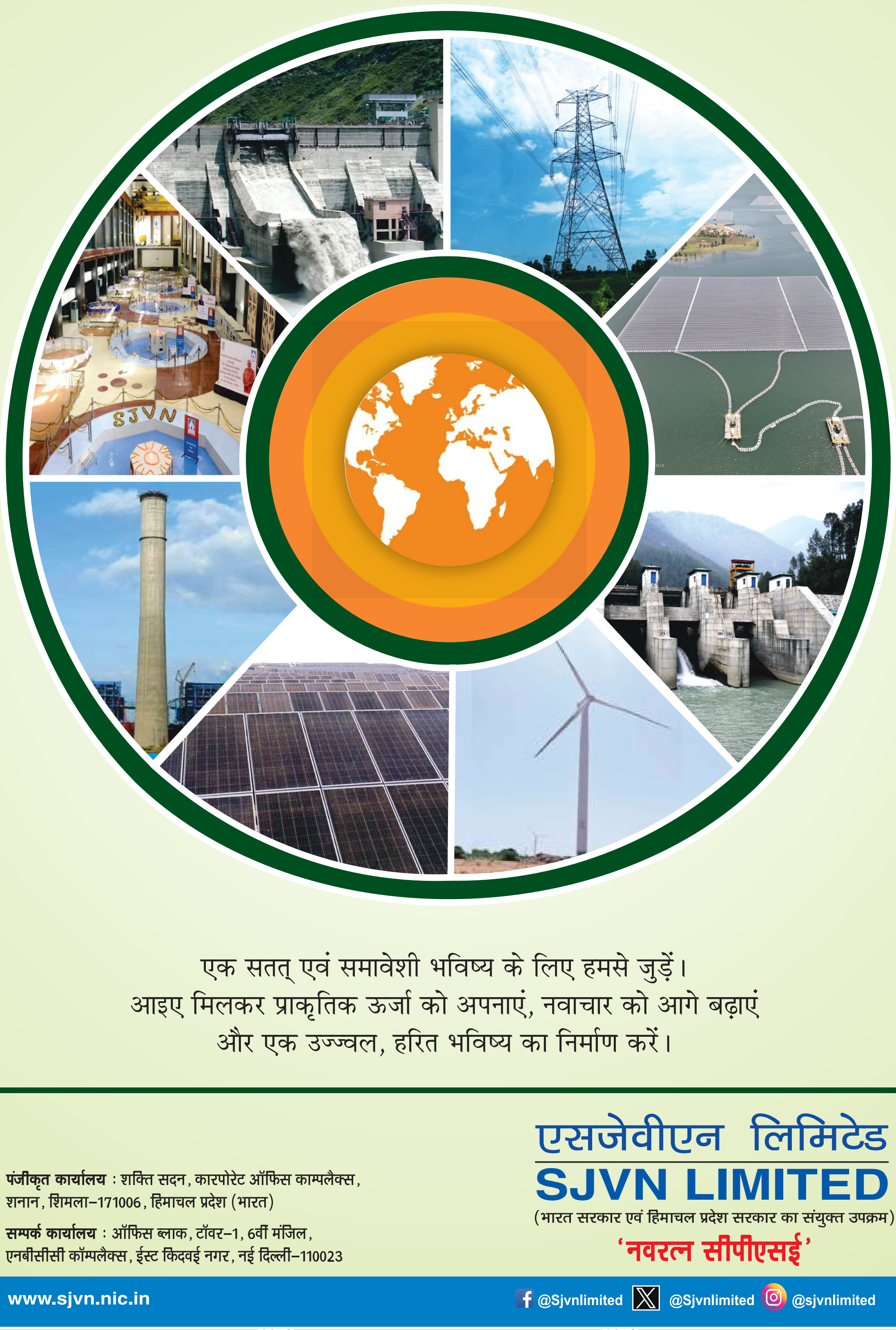
राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो की पुलिस अधीक्षक नितिका गहलोत ने बताया कि 01 जनवरी से 31 अक्टूबर 2026 तक हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों, सजा प्राप्त व्यक्तियों तथा अज्ञात व्यक्तियों के कुल 72,172 फिंगरप्रिंट नेफिस पोर्टल पर अपलोड किए हैं। इस अवधि में फिंगरप्रिंट विशेषज्ञों ने 23,154 फिंगरप्रिंट का सफलतापूर्वक मिलान किया। इस प्रक्रिया के दौरान कई आरोपियों का पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया, जिससे उनके अन्य मामलों में शामिल होने की जानकारी मिली।

इससे अलग-अलग स्थानों पर हुई आपराधिक वारदातों के बीच संबंध स्थापित करने और अपराधियों की पहचान करने में महत्वपूर्ण मदद मिली।

अपराध स्थलों से मिले फिंगरप्रिंट बने अहम सुराग, 94 का अपराधियों से मिलान

अपराध स्थलों से प्राप्त फिंगरप्रिंट यानी चांस प्रिंट के वैज्ञानिक सत्यापन में भी हरियाणा पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। इस अवधि में विशेषज्ञों ने 3,415 चांस प्रिंट का सत्यापन कर उन्हें नेफिस पर अपलोड किया, जिनमें से 94 का सफलतापूर्वक मिलान किया गया।

विद्युत उत्पादन से राष्ट्र का सशक्तिकरण



एक सतत् एवं समावेशी भविष्य के लिए हमसे जुड़ें।
आइए मिलकर प्राकृतिक ऊर्जा को अपनाएं, नवाचार को आगे बढ़ाएं
और एक उज्ज्वल, हरित भविष्य का निर्माण करें।

पंजीकृत कार्यालय : शक्ति सदन, कारपोरेट ऑफिस काम्पलैक्स,
शनान, शिमला–171006, हिमाचल प्रदेश (भारत)

सम्पर्क कार्यालय : ऑफिस ब्लाक, टॉवर–1, 6वीं मंजिल,
एनबीसीसी कॉम्पलैक्स, ईस्ट किदवई नगर, नई दिल्ली–110023

एसजेवीएन लिमिटेड
SJVN LIMITED
(भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)
'नवरत्न सीपीएसई'

www.sjvn.nic.in
@Sjvnlimited @Sjvnlimited @sjvnlimited